संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

■ वर्ष -17 ■ अंक-131 ■ रायपुर, गुरुवार 08 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : त्रयोदशी
नक्षत्र : पूर्व फाल्गुनी
प्रथम करण : गारा
द्वितीय करण : वणिजा
पक्ष : कृष्ण
वार : गुरुवार
योग : शुक्ला
सूर्योदय : 06:17
सूर्यास्त : 17:52
चंद्रमा : सिंह राशि में
राहुकाल : 13:31 - 14:58
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मास : आश्विन
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:41 - 12:28

कैबिनेट बैठक 11 को

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिपरिषद् (कैबिनेट) की बैठक रविवार, 11 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री निवास कार्यालय, सिविल लाईन, रायपुर में होगी।

भरभराकर गिरी पांच मंजिला इमारत

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा जिला के सीमापुरी इलाके में न्यू सीमापुरी स्थित ईदगाह मछली मंडी के पास एक पांच मंजिला इमारत भरभराकर गिर गई। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। दिल्ली पुलिस, फायर सर्विस और इंसिडेंट रिस्पांस टीम की ओर से राहत और बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। हादसे में अभी तक किसी की मौत की पुष्टि नहीं हुई है। इमारत गिरने से आसपास के करीब चार से पांच मकानों को भी नुकसान पहुंचा है। मलबे में करीब 25 से 30 लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे की सूचना दोपहर करीब 3:15 बजे फायर कंट्रोल रूम को मिली थी। सूचना मिलते ही दिल्ली फायर सर्विस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंची। राहत और बचाव कार्य के लिए तीन वाटर टेंडर और एक इंसिडेंट रिस्पांस टीम को भेजा गया। दिल्ली पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें लगातार बचाव अभियान में जुटी हैं।

रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी



नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को रेपो दर में 25 आधार अंकों (बेसिस पॉइंट) की वृद्धि करने का ऐलान किया है। इसके साथ ही नीतिगत दर को 5.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया गया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक के बाद यह फैसला घोषित किया गया। बता दें कि फरवरी 2023 के बाद केंद्रीय बैंक ने पहली बार रेपो रेट में बढ़ोतरी की है। आरबीआई ने यह कदम वैश्विक अनिश्चितताओं और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच देश की अर्थव्यवस्था और महंगाई को काबू में रखने के लिए उठाया है। रेपो रेट में इस बढ़ोतरी से बैंकों के लिए कर्ज लेना महंगा हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने हाथों में मशाल लेकर किया 'सेवा ज्योति यात्रा' का नेतृत्व, बाइक रैली को दिखाई हरी झंडी

पीएम मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष देश के विकास और परिवर्तन की प्रेरक यात्रा : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में शासन प्रमुख के रूप में जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज राजधानी रायपुर में सेवा, संकल्प और राष्ट्र निर्माण की भावना से ओतप्रोत 'विकसित भारत संकल्प सभा' एवं 'सेवा ज्योति यात्रा' का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के जिला मुख्यालयों सहित कुल 38 स्थानों पर 'सेवा ज्योति संकल्प चौक' के निर्माण की घोषणा की। उन्होंने राजधानी रायपुर के तेलीबांधा चौक को भी 'सेवा ज्योति संकल्प चौक' के रूप में विकसित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ये संकल्प चौक जनसेवा, राष्ट्र निर्माण और विकसित भारत के संकल्प के प्रतीक बनेंगे। ये आने वाली पीढ़ियों को यह प्रेरणा देंगे कि राष्ट्र की प्रगति में प्रत्येक नागरिक का योगदान महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और नागरिकों को विकसित भारत एवं विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प दिलाया। इसके पश्चात उन्होंने हाथों में मशाल लेकर 'सेवा ज्योति यात्रा' का नेतृत्व किया और बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय से प्रारंभ हुई यह यात्रा तेलीबांधा चौक तक निकाली गई। बड़ी संख्या में नागरिकों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक यात्रा में सहभागिता की।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के 25 वर्ष का सेवाकाल राष्ट्र निर्माण की प्रेरक यात्रा

मुख्यमंत्री श्री साय ने विकसित भारत संकल्प सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को श्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाली थी। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उनके निरंतर सेवाकाल के आज 25 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इन 25 वर्षों की यात्रा जनसेवा, सुशासन, विकास और राष्ट्रहित के प्रति अटूट समर्पण की यात्रा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी स्वयं को देश का 'प्रधान सेवक' मानते हैं। देश के 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षाओं और उनके बेहतर भविष्य की चिंता करते हुए वे 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र के साथ निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में भारत ने विकास के प्रत्येक क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुआ है और आज पूरी दुनिया भारत के बढ़ते सामर्थ्य और नेतृत्व को देख रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा ज्योति यात्रा प्रधानमंत्री श्री मोदी के जनसेवा के प्रति समर्पण को सम्मान देने के साथ ही विकसित भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी का संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना की।

सेवा संकल्प अभियान में प्रदेशभर की भागीदारी

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेश में एक माह का 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जा रहा है। इस दौरान सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जनकल्याण और सामाजिक सहभागिता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभियान की शुरुआत में 17 सितंबर को छत्तीसगढ़ के लोगों ने पूरे उत्साह और आत्मीयता के साथ डेढ़ करोड़ से अधिक 'आशीर्वाद के दीये' प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री श्री मोदी के स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की थी। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से प्रदेश के नागरिक सेवा और राष्ट्र निर्माण के संकल्प से लगातार जुड़ रहे हैं।



विकसित भारत के साथ विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का विराट लक्ष्य देश के सामने रखा है। यह केवल सरकार का लक्ष्य नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक संकल्प है। इस संकल्प को सिद्ध करने की क्षमता और सामर्थ्य हमारे देश और देशवासियों में है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण भी आवश्यक है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार ने 'छत्तीसगढ़ अंजोर विजन @2047' के माध्यम से आने वाले वर्षों के विकास की दिशा तय की है। प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र और प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए एक समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करते हुए विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में सहभागी बनें।

छत्तीसगढ़ के विकास के लिए मिलता है भरपूर सहयोग

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री का दायित्व संभालने से पहले विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के अनेक क्षेत्रों का व्यापक भ्रमण किया था। इस कारण वे प्रदेश की भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों के साथ यहां की संभावनाओं से भी भली-भांति परिचित हैं। उन्होंने कहा कि जब भी प्रधानमंत्री श्री मोदी से छत्तीसगढ़ के विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा होती है, प्रदेश को अपेक्षा से बढ़कर उनका सहयोग और मार्गदर्शन मिलता है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ विकास के नए अवसरों से जुड़ रहा है और विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका को लगातार मजबूत कर रहा है।

वैश्विक अवसरों से जुड़ रहा छत्तीसगढ़

अपने हालिया सिंगापुर प्रवास का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की सोच है कि भारत के राज्य भी दुनिया के विभिन्न देशों के साथ अपने आर्थिक और संस्थागत संबंधों को मजबूत करें तथा निवेश, तकनीक, कौशल और नवाचार के वैश्विक अवसरों का लाभ उठाएं।

उन्होंने कहा कि इसी दिशा में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ और हरियाणा को सिंगापुर में आयोजित प्रथम 'Singapore-India Network for Growth (SING) Forum-2026' में भागीदारी के लिए चुना गया। सिंगापुर प्रवास के दौरान उद्योग जगत, निवेशकों और बिजनेस फेडरेशन के प्रतिनिधियों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में निवेश और साझेदारी को लेकर सार्थक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और सिंगापुर के संबंध पुराने और मजबूत हैं। सिंगापुर में विभिन्न प्रतिनिधियों के साथ हुई बातचीत में यह स्पष्ट रूप से सामने आया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के प्रति वैश्विक विश्वास तेजी से बढ़ा है। आज दुनिया भारत को विश्वास, संभावनाओं और विकास के बड़े केंद्र के रूप में देख रही है और इसका लाभ छत्तीसगढ़ जैसे तेजी से आगे बढ़ते राज्यों को भी मिल रहा है।

'वी विल डू इट' के संकल्प को जनभागीदारी से करेंगे साकार

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के 'वी विल डू इट' के उद्घोष का उल्लेख करते हुए कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य बड़ा अवश्य है, लेकिन देशवासियों के सामूहिक प्रयास से इसे हासिल करना निश्चित रूप से संभव है।

उन्होंने कहा कि विकसित राष्ट्र के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। हमें भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने के संकल्प के साथ अपने कर्तव्यों का पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करना होगा।

पीएम मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे

जापान से फिलीपींस तक नेताओं ने भेजे बधाई संदेश

नई दिल्ली ■ एजेंसी



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सरकार प्रमुख के रूप में 25 वर्ष पूरे होने पर बुधवार को कई देशों के नेताओं ने बधाई संदेश भेजे। 7 अक्टूबर 2001 को मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

तीन कार्यकाल राज्य में रहने के बाद वे 2014 से वह भारत के प्रधानमंत्री हैं। जापान, फिलीपींस, नाइजीरिया, बेल्जियम, भूटान और डोमिनिका समेत कई देशों ने इस अवसर पर शुभकामनाएं भेजी हैं। जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची ने एक्स पर लिखा कि मोदी के मुख्यमंत्री पद के 25 वर्ष पूरे होने पर वे हार्दिक बधाई देती हैं। उन्होंने कहा कि मोदी ने वर्षों से भारतीय समाज और राष्ट्र के विकास के लिए खुद को समर्पित किया है और 2001 से सरकार प्रमुख के रूप में उत्कृष्ट राजनीतिक नेतृत्व दिखाया है।

ताकाइची ने भारत के विकास को गति देने और अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने जुलाई की भारत यात्रा में मिले आतिथ्य का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देशों ने जापान-भारत विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को अगले स्तर पर ले जाने पर बात की। अगले वर्ष दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने वाले हैं और इस अवसर पर वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति व स्थिरता के लिए मोदी के साथ साझेदारी और मजबूत करना चाहती हैं।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्यूंग ने भेजा बधाई संदेश

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्यूंग ने अपने संदेश में लिखा है कि, आज से 25 वर्ष पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभालने के बाद से आपने भारत के लोगों के बेहतर जीवन के निर्माण के लिए स्वयं को समर्पित किया है। आपकी इस अटूट समर्पण के प्रति मैं अपना गहरा सम्मान व्यक्त करता हूँ और इस महत्वपूर्ण अवसर पर आपको हार्दिक बधाई देता हूं।

आपके नेतृत्व में, भारत ने विनिर्माण क्षेत्र के विकास और बुनियादी ढांचे के विस्तार के माध्यम से लगातार प्रगति की है तथा विभिन्न चुनौतियों के बीच भी अपनी दृढ़ता का प्रदर्शन किया है। ये उपलब्धियां भारतीय जनता के लिए गर्व का विषय हैं और वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका के विस्तार के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करती हैं।

फिलीपींस के राष्ट्रपति बोंगबोंग मार्कोस ने कहा कि गुजरात से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व करने तक मोदी की यात्रा सुशासन, नवाचार, तकनीक, आधारभूत ढांचे और विकास पर जोर से चिह्नित रही है। इससे भारत के रूपांतरण और वैश्विक भूमिका को बल मिला है। उन्होंने कहा कि भारत-फिलीपींस संबंध निरंतर मजबूत हो रहे हैं और वे नवंबर में मनीला में आसियान-भारत तथा पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के लिए मोदी का स्वागत करने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

आडवाणी से मिलने पहुंचे पीएम मोदी



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के आज (बुधवार को) 25 साल पूरे हो गए हैं। नरेंद्र मोदी 13 साल तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे, सीएम रहते हुए ही 2014 में देश के प्रधानमंत्री बने और अब नरेंद्र मोदी 12 साल से देश के पीएम हैं। इस खास मौके पर पीएम मोदी आज बीजेपी के वरिष्ठ नेता एल.के. आडवाणी से मिलने पहुंचे।

मिथुन चक्रवर्ती को मिली बड़ी जिम्मेदारी बने शुभेंदु सरकार के सलाहकार

कोलकाता ■ एजेंसी



अभिनेता और बीजेपी नेता मिथुन चक्रवर्ती को पश्चिम बंगाल सरकार में बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें सूचना एवं सांस्कृतिक मामलों के विभाग का एडवाइजर नियुक्त किया गया है। इस पद का दर्जा कैबिनेट मंत्री के रैंक के बराबर है। इसे लेकर नबान्ना ने पहले ही एक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। नबान्ना से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, मिथुन चक्रवर्ती जल्द ही अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंगे। मिथुन चक्रवर्ती लंबे समय से बंगाल की राजनीति में एक्टिव हैं। अब पश्चिम बंगाल सरकार ने उन्हें सूचना एवं सांस्कृतिक मामलों के विभाग में सलाहकार की जिम्मेदारी दी है।

पुलिस ने खोद निकाला जंगल में जमीन के नीचे दबा माओवादियों का हथियार-विस्फोटक डंप

रायपुर ■ दैनन्दिनी



महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा से लगे कोपर्शी जंगल में माओवादियों द्वारा जमीन में छिपाकर रखा गया हथियार और विस्फोटक सामग्री का डंप गडचिरोली पुलिस ने बरामद किया है. सर्चिंग के दौरान पुलिस को .303 रायफल, दो सिंगल शॉट रायफल, दो देशी पिस्टल और एक BGL लॉन्चर समेत 6 अग्निशस्त्र मिले. इसके अलावा 10 BGL सेल, 21 जिंदा कारतूस, 7 डेटोनेटर और 150 मीटर केबल वायर भी जब्त की गई है.

पुलिस को सूचना मिली थी कि महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा के कोपर्शी जंगल में माओवादियों ने सुरक्षा बलों पर घात लगाकर हमला करने और विस्फोट करने के लिए बड़ी मात्रा में हथियार व विस्फोटक जमीन में छिपाकर रखे हैं. सूचना के आधार पर 6 अक्टूबर को एसपी एम. रमेश के मार्गदर्शन में विशेष अभियान चलाया गया. प्राणहिता की विशेष अभियान टीम की 5 टुकड़ियों और BDDS की 2 टीमों को सर्चिंग के लिए भेजा गया.

जवानों ने जंगल को घेरकर संदिग्ध स्थानों की बारीकी से तलाशी ली. इस दौरान जमीन में छिपाकर रखा गया हथियार और विस्फोटक सामान बरामद हुआ. पुलिस ने मौके से 2 मैगजीन, 2 कुकर, 3 वॉकी-टॉकी, 3 चार्जर और 2 वॉकी-टॉकी बैटरी भी जब्त की हैं.

पुलिस के मुताबिक, माओवादी दुर्गम जंगल क्षेत्र का फायदा उठाकर हथियार और विस्फोटक सामग्री तैयार कर अलग-अलग स्थानों पर जमीन में छिपाकर रखते थे.

सीईसी को लेकर फिर बढ़ा घमासान

प्रियंका गांधी ने सड़क पर लेटे रहने की बहुत कोशिश की, दिल्ली पुलिस ने राहुल संग हिरासत में लिया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

SIR विवाद पर सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आज (बुधवार को) कांग्रेस समेत विपक्ष के तमाम दलों ने प्रदर्शन किया। इस बीच, विपक्षी सांसदों ने जंतर-मंतर जाने की कोशिश की लेकिन कामयाब नहीं हो पाए।

इस बीच, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी सड़क पर लेट गईं और बोलीं मैं यहां से नहीं हटूंगी। सुरक्षाकर्मी यहां से हटें। हमारे सांसदों को पीटा गया है। फिलहाल, पुलिस ने प्रियंका गांधी और राहुल गांधी दोनों को हिरासत में ले लिया है और



प्रदर्शन वाली जगह से गाड़ी में बैठाकर ले गई है।

प्रियंका गांधी ने कहा, 'जो सांसद सिर्फ चुनाव आयुक्त से मिलना चाहते हैं, उनके साथ ये ऐसा बर्ताव करते हैं। हमारे साथ ऐसा ही बर्ताव किया जाता है। वे सांसदों को पीट रहे हैं। पुलिस वालों ने मुझे जगह-जगह खरोंच दिया है। उन्होंने हमें जमीन पर पटक दिया। अब हम यहां से नहीं हटेंगे। वे अपनी फोर्स को वापस बुला लें। मैं यहां से नहीं हिलूंगी।'

प्रोटेस्ट के दौरान, राहुल गांधी ने कहा कि ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना ही पड़ेगा। मैं FIR से नहीं डरता हूं। मुझ पर 100 FIR हो जाएं, ये मेरे लिए मेडल हैं। मेरे लिए हर FIR मेडल है। ज्ञानेश कुमार ने लोकतंत्र खत्म किया है। लोकतंत्र खत्म करने वाले नहीं बचेंगे।

कंट्रोल रूम में डॉयल 112 के आरक्षक की मौत

धमतरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के धमतरी में डॉयल 112 के आरक्षक के आत्महत्या का मामला सामने आया है. कंट्रोल रूम में उसकी फांसी के फंदे पर लटकी हुई लाश बरामद हुई है. मृतक की पहचान ओमप्रकाश सोनवानी के रूप में हुई है, जो डॉयल 112 में आरक्षक के पद पर पदस्थ था. पूरा मामला रुद्री थाना इलाके का है. जानकारी के मुताबिक, कुरूद का निवासी ओमप्रकाश सोनवानी की ड्यूटी बीती रात डायल 112 के कंट्रोल रूम में तैनात था . नाइट ड्यूटी के दौरान उसने कंट्रोल रूम में ही फांसी लगा ली. घटना की जानकारी सामने आने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया. सूचना मिलते ही संबंधित थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया. फिलहाल आरक्षक के आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया है. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि घटना से पहले आरक्षक की किसी से बातचीत हुई थी या नहीं और क्या किसी तरह का तनाव या अन्य वजह सामने आई थी.

5वें दिन भी नहीं थमी विजय सालगांवकर की रफ्तार, बॉक्स ऑफिस पर जमाया कब्जा, 340 करोड़ पार पहुंची फिल्म



मुंबई (एजेंसी)। अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3: द कन्क्लूजन' बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए हुए है। सिनेमाघरों में रिलीज के पांच दिन बाद ही फिल्म ने भारत में 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। शुरुआती वीकेंड में शानदार कमाई करने के बाद फिल्म ने वीकडेज में भी अपनी रफ्तार काफी हद तक बरकरार रखी है। पांचवें दिन के कलेक्शन के साथ फिल्म का भारत में कुल नेट कलेक्शन 200 करोड़ के पार पहुंच गया है, जबकि इसका इंडिया ग्रॉस 259.80 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। वहीं विदेशों में भी फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। दुनियाभर की कमाई की बात करें तो फिल्म अब तक 341.30 करोड़ रुपये जुटा चुकी है।

पांचवें दिन भी मजबूत रही कमाई

ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक 'दृश्यम 3' ने रिलीज के पांचवें दिन भारत में करीब 19 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। इस दिन फिल्म देशभर में 16,056 शोज के साथ दर्शकों के बीच पहुंची। इससे पहले चौथे दिन फिल्म की कमाई में मामूली गिरावट देखने को मिली थी और इसने करीब 21 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। इसके बावजूद पांचवें दिन फिल्म ने अपनी पकड़ बनाए रखी और 19 करोड़ रुपये जोड़कर घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये के नेट आंकड़े को पार कर लिया। फिल्म की कमाई का यह आंकड़ा इसलिए भी खास है क्योंकि वीकडेज में आमतौर पर फिल्मों के कलेक्शन में गिरावट आने लगती है। 'दृश्यम 3' की कमाई में भी शुरुआती दिनों की तुलना में कमी आई है, लेकिन इसके बावजूद कलेक्शन का स्तर मजबूत बना हुआ है। अब फिल्म के मेकर्स और ट्रेड एनालिस्ट्स की नजर आने वाले दिनों की कमाई पर है।

विदेशों में भी जारी है फिल्म का जलवा

'दृश्यम 3' को सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशी बाजारों में भी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। पांचवें दिन फिल्म ने ओवरसीज मार्केट से करीब 9.50 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया। इसके साथ ही विदेशों में फिल्म की कुल कमाई 81.50 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। भारत के 259.80 करोड़ रुपये के ग्रॉस कलेक्शन को ओवरसीज कमाई के साथ जोड़ें तो फिल्म की पांच दिन की वर्ल्डवाइड ग्रॉस कमाई 341.30 करोड़ रुपये हो चुकी है। ऐसे में अब फिल्म के सामने अगले बड़े बॉक्स ऑफिस पड़ाव हैं। अगर कमाई की रफ्तार आने वाले दिनों में भी बनी रहती है तो फिल्म भारत में 225 करोड़ और फिर 250 करोड़ रुपये के नेट क्लब की ओर बढ़ सकती है।

विजय सालगांवकर की कहानी फिर आई पर्दे पर

'दृश्यम 3' इस लोकप्रिय क्राइम थ्रिलर फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। साल 2015 में 'दृश्यम' के साथ शुरू हुई कहानी को 2022 में 'दृश्यम 2' ने आगे बढ़ाया था। अब तीसरे पार्ट में विजय सालगांवकर एक बार फिर अपने परिवार को बचाने और कानून से टकराने की स्थिति में नजर आ रहे हैं।

कहानी में सबूतों और पुराने राज के बीच विजय के सामने एक नई चुनौती खड़ी होती है। फिल्म की खासियत यह है कि फ्रेंचाइजी की पिछली दोनों फिल्मों से जुड़े किरदारों और घटनाओं को आगे बढ़ाया गया है। विजय का परिवार एक बार फिर ऐसी परिस्थितियों में फंसता है, जहां कानून से बच निकलना आसान नहीं है।

स्टारकास्ट में पुराने चेहरे और नए कलाकार

फिल्म में अजय देवगन ने एक बार फिर विजय सालगांवकर की भूमिका निभाई है। श्रिया सरन नंदिनी के किरदार में वापस लौटी हैं, जबकि इशिता दत्ता ने अंजू की भूमिका दोहराई है। तब्बू भी मीरा देशमुख के किरदार में वापसी कर रही हैं।

वहीं प्रकाश राज और जयदीप अहलावत इस बार नए किरदारों के साथ फ्रेंचाइजी में शामिल हुए हैं। इसके अलावा रजत कपूर, सौरभ शुक्ला और कमलेश सावंत भी फिल्म का हिस्सा हैं। 'दृश्यम 2' का निर्देशन कर चुके अभिषेक पाठक ने तीसरी फिल्म की कमान भी संभाली है।

फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और पांच दिनों के भीतर 200 करोड़ रुपये का घरेलू नेट आंकड़ा पार करके बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूत स्थिति दर्ज करा चुकी है। बता दें, इसी सफलता के बीच अजय देवगन का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, इस वीडियो में वो कच्ची मछली खाते नजर आ रहे हैं।

राखी सावंत ने 'राइज एंड फॉल 2' में ली एंट्री?



मुंबई (एजेंसी)। रियेलिटी शो 'राइज एंड फॉल 2' में आए दिन नए-नए ट्विस्ट देखने को मिल रहे हैं और इन ट्विस्ट और टर्न्स के बीच शो में एक ऐसी सेलिब्रिटी ने एंट्री ली, जिन्हें देखकर शो के सभी कंटेस्टेंट्स खुश हो गए। शो के हालिया एपिसोड में राखी सावंत ने एंट्री ली और टॉवर में अपनी खास एनर्जी दिखाई। इसके बाद राखी ने 'रूलर्स' और 'वर्कर्स' के साथ बातचीत की। गौतम गुलाटी के साथ डांस करने से लेकर करण पटेल के साथ मिलकर मजेदार परफॉर्मेंस तक, राखी ने पक्का किया कि उनकी एंट्री जबरदस्त हो।

इस वीकेंड राखी सावंत 'राइज एंड फॉल 2' में गेस्ट बनकर पहुंचीं। जहां उन्होंने 'अल्टीमेट रूलर' तेज प्रताप यादव के सामने राधा बनकर डांस किया, जो खुद कन्हैया बने रहते हैं। इसके बाद वह मजेदार पलों के लिए कंटेस्टेंट्स के साथ शामिल हुईं।

राखी ने शो के दौरान गौतम गुलाटी के साथ भी डांस किया और करण पटेल के साथ भी रोमांटिक परफ़ॉर्मेंस दी और मनीष के साथ मस्ती भरे पल बिताए, जिन्होंने उन्हें गोद में उठा लिया था। राज ने भी शाहरुख खान की मिमिक्री करके ग्रुप का मनोरंजन किया।

रजनीकांत की 'जेलर 2' का नहीं होगा ऑडियो लॉन्च OTT पर देखने को मिलेगा ग्रैंड प्री-रिलीज इवेंट 'सुपर शो'

मुंबई (एजेंसी)। जो फैंस रजनीकांत को सामने देखने का इंतजार कर रहे थे, उन्हें अभी थोड़ा और इंतजार करना होगा। 'जेलर 2' की टीम ने आम ऑडियो लॉन्च के बजाय डिजिटल लॉन्च करने का फैसला किया है। प्रोडक्शन हाउस 'सन पिक्चर्स' ने घोषणा की है कि वे जल्द ही फिल्म की टीम के साथ एक 'स्पेशल शो' स्ट्रीम करेंगे। 'जेलर 2' के लिए एक 'स्पेशल शो', जिसमें रजनीकांत और फिल्म की बाकी टीम शामिल होगी। वो ओटीटी पर देख सकते हैं। यहां जानिए डिजिटल प्री-रिलीज इवेंट कब और कहां देखें।

'जेलर 2' का ग्रैंड प्री-रिलीज इवेंट 'सुपर शो' 9 अक्टूबर को सन एनएक्सटी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगा। प्रोडक्शन हाउस ने घोषणा करते हुए



लिखा, 'सुपरस्टार का सुपर शो! #Jailer2 सुपर शो के लिए तैयार हो जाइए। 9 अक्टूबर से सिर्फ @sunnxt पर स्ट्रीमिंग।' छोटे प्रोमोशनल वीडियो में रजनीकांत, कलानिधि मारन, नेल्सन दिलीपकुमार, अनिरुद्ध रविचंदर, एसजे सूर्या, विद्या बालन, राम्या कृष्णन, सूरज वेंजारामूडु, मिर्ना और जानी मास्टर को शो की शूटिंग करते हुए दिखाया गया है। रजनीकांत की बात सुनने का इंतजार कर रहे फैंस के लिए एक खास अपडेट है, उन्हें यह जानकर राहत मिलेगी कि 'जेलर 2' का किसी न किसी तरह प्रमोशन होगा। एक फैन ने कमेंट किया, 'वे खोखले दावे कर रहे थे, कोई ऑडियो लॉन्च नहीं, रजनी का कोई भाषण नहीं- सब इसलिए क्योंकि हमारे हीरो ने हरी झंडी नहीं दी, लेकिन अब सुपर शो आ रहा है, जिसमें खुद सुपरस्टार का भाषण होगा और फिल्म रिलीज होने से पहले ही इसका जबरदस्त असर होगा।' एक और फैन ने लिखा, 'वाह!! आखिरकार थलाइवर का भाषण सुनने को मिलेगा।'

रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) ने फिल्म को U/A 16+ सर्टिफिकेट दे दिया है। इस सीक्वल का रनटाइम भी पता चल गया है। यह एक्शन-ड्रामा फिल्म 165 मिनट और 18 सेकंड की होगी यानी लगभग दो घंटे 45 मिनट लंबी। दिलचस्प बात यह है कि 'जेलर 2' अपनी पिछली फिल्म से सिर्फ तीन मिनट छोटी होगी। 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जेलर' की अवधि लगभग 168 मिनट थी।

सेहत

गले की खराश, आवाज बैठना या मुंह का न भरने वाला घाव, कहीं यह हेड एंड नेक कैंसर का संकेत तो नहीं?

हर साल 27 जुलाई को विश्व हेड एंड नेक कैंसर डे मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को सिर और गर्दन से जुड़े कैंसर के प्रति जागरूक करना और समय पर जांच करके सही इलाज के महत्व को समझाना है। भारत में सिर और गर्दन का कैंसर सबसे आम कैंसरों में से एक है। लेकिन चिंता की बात ये है कि ज्यादातर मरीज जब तक डॉक्टर के पास पहुंचते हैं, तब तक बीमारी काफी आगे बढ़ चुकी होती है। अगर इसके लक्षणों को नजरअंदाज न किया जाए और समय रहते जांच कराई जाए, तो इस कैंसर का सफल इलाज संभव है।

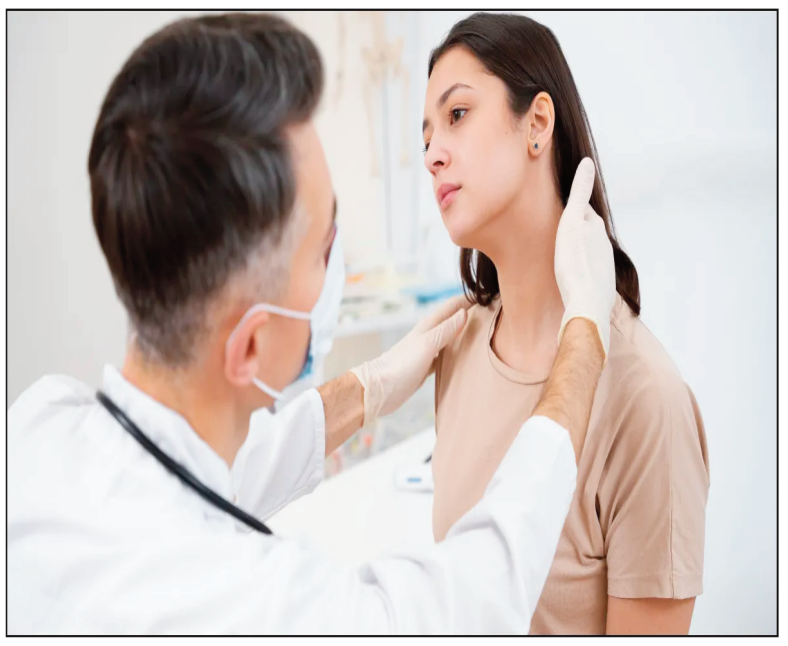
दिल्ली के अपोलो हॉस्पिटल्स के डॉक्टर अक्षत मलिक (सीनियर कंसल्टेंट, हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी) ने बताया कि हेड एंड नेक कैंसर मुंह, जीभ, मसूड़ों, गाल के अंदरूनी हिस्से, होंठ, गले, स्वरयंत्र (वॉयस बॉक्स), नाक, साइनस और लार ग्रंथियों में हो सकता है। इनमें से मुंह और गले का कैंसर भारत में सबसे अधिक देखा जाता है। आइये जानते हैं सिर और गर्दन के कैंसर के शुरुआती लक्षण क्या हैं और इन्हें कैसे पहचान सकते हैं।

हेड एंड नेक कैंसर के लक्षण

मुंह में ऐसा घाव जो लंबे समय तक न भरे।
आवाज का लगातार बैठना या भारी होना।
निगलने में दर्द या कठिनाई।
गर्दन में गांठ या सूजन।
मुंह खोलने में परेशानी।
मुंह से लगातार खून आना या बदबू आना।
बिना वजह वजन कम होना।
कान में लगातार दर्द, खासकर जब अन्य कारण न हों।

अगर आपको इनमें से कोई भी लक्षण दो से तीन सप्ताह से अधिक समय तक रहते हैं तो बिना देरी किए डॉक्टर को दिखाना चाहिए। इन लक्षणों को सामान्य संक्रमण समझकर टालना कई बार खतरनाक साबित हो सकता है।

भारत में हेड एंड नेक कैंसर के सबसे प्रमुख कारण



तंबाकू (सिगरेट, बीड़ी, गुटखा, खैनी, पान मसाला आदि) का सेवन।

अत्यधिक शराब का सेवन।

तंबाकू और शराब का एक साथ सेवन, जिससे खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (HPV) संक्रमण, जो विशेष रूप से गले के कुछ कैंसर से जुड़ा है।

खराब मौखिक स्वच्छता और लंबे समय तक मुंह की समस्याओं को नजरअंदाज करना।

समय पर पहचान से बच सकती है जान

आज आधुनिक चिकित्सा के कारण हेड एंड नेक कैंसर का इलाज पहले की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी हो गया है। अगर बीमारी शुरुआती चरण में पकड़ में आ जाए, तो सर्जरी, रेडियोथेरेपी, कीमोथेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी और इम्यूनोथेरेपी जैसे ट्रीटमेंट से अच्छे नतीजे मिल सकते हैं। कई मरीज इलाज के बाद सामान्य जीवन जीते हैं और अपनी रोजमर्रा की गतिविधियां पहले की तरह ही कर पाते हैं।

क्या करें बचाव के लिए?

किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन न करें।

शराब का सेवन सीमित रखें या पूरी तरह छोड़ दें।

मुंह और दांतों की नियमित सफाई करें।

हेल्दी खाना खाएं जिसमें ताजा फल और हरी सब्जियां ज्यादा हों।

मुंह या गले में कोई भी बदलाव दिखे तो डॉक्टर से जांच कराएं।

परिवार में कैंसर का इतिहास है या तंबाकू का सेवन कर रहे हैं, तो नियमित स्वास्थ्य जांच कराते रहें।

हेड एंड नेक कैंसर ऐसा रोग है, जिसे काफी हद तक रोका जा सकता है। अगर समय रहते इसके लक्षण पहचान लिए जाते हैं तो इसका सफलतापूर्वक इलाज भी संभव है। दुर्भाग्य से लोग अक्सर शुरुआती लक्षणों को मामूली समझकर अनदेखा कर देते हैं, जिससे इलाज में जटिलताएं पैदा हो जाती हैं।

हार्ट अटैक से एक महीने पहले शरीर देता है इस तरह के संकेत

आजकल की बदलती जीवनशैली में देश में हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अब कम उम्र के युवा भी हार्ट अटैक की चपेट में तेजी से आ रहे हैं। ऐसे में साओल हार्ट सेंटर के संस्थापक, एमबीबीएस और एमडी, डॉक्टर बिमल छाजेर, बता रहे हैं कि हार्ट अटैक से एक महीने पहले शरीर के किस तरह के संकेत दिखते हैं जिसे पहचानकर अपना बचाव कर सकते हैं।

हार्ट अटैक से एक महीने शरीर में दिखते हैं ये लक्षण

छाती में तकलीफः अगर छाती में अचनाक से बहुत ज़्यादा डिस्कंफर्ट या प्रेशर फील होता है तो यह एक लक्षण हो सकता है। अगर पहले ऐसा नहीं होता था लेकिन इस बीच कभी कभी चेस्ट में टाइटनेस, प्रेशर, हेविनेस या जलन जैसा महसूस हो रहा है लेकिन थोड़ी देर के बाद ठीक हो जा रहा है तो इसे हलके में न लें। यह हार्ट की बीमारी का पैटर्न है इसलिए तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

सांस का फूलनाः अगर ज़रा भी चलने पर सांस फूलने की समस्या हो रही है, चलते समय अगर आप बोल रहे हैं और सांस फूल रही है या फिर सीढ़ियां चढ़ने पर भी हांफने लगते हैं तो इसे चेतावनी की तरह माने। खासकर, यह ओल्ड ऐज और डायबिटीज वालों को यह समस्या ज़्यादा होती है।

थक जानाः अगर आप बहुत जल्दी थक जा रहे हैं तो यह भी एक लक्षण हो सकता है। अगर रूटीन काम करते हुए भी आपको यह लगे कि बॉडी साथ नहीं दे रहा है तो हो सकता है कि आप दिल के मरीज बन गए हों इसलिए एक बार डॉक्टर को ज़रूर दिखाएं

दोनों हाथों में दर्दः अगर आपको दोनों हाथ में, गर्दन में, जबड़े में, कंधों के आसपास या फिर बैक साइड में रह कर दर्द होता है तो इसे सामान्य समझने की गलती न करें। यह भी हार्ट अटैक का एक साइलेंट संकेत हैं।

कोल्ड स्वेटिंगः अगर आपको ठंड में भी पसीना आ रहा है तो यह भी एक लक्षण हो सकता है। भूक नहीं लग रहा, चक्कर आ रहा है आपको अक्सर उल्टी जैसा महसूस हो रहा है तो यह भी कमजोर हार्ट का सिंगल है

सिर्फ शराब ही नहीं फैटी लिवर की ये हैं बड़ी वजह डॉक्टर ने बताया कैसे Liver में जमता है फैट

फैटी लिवर खतरनाक हो सकता है अगर समय रहते इस बीमारी पर ध्यान न दिया जाए, फैटी लिवर को साइलेंट किलर भी कहा जाता है क्योंकि इसके लक्षण जल्दी नजर नहीं आते हैं। लिवर में जरूरत से ज्यादा फैट जमा होने पर लिवर सिरोसिस और फिर लिवर फेल तक होने का खतरा बढ़ाता है। लोगों को लगता है कि शराब पीने से फैटी लिवर होता है। जबकि सिर्फ शराब ही फैटी लिवर का सबसे बड़ा कारण नहीं है। आपकी लाइफस्टाइल और खाने की आदतें भी फैटी लिवर के खतरे को कई गुना बढ़ा देती हैं।

शराब से फैटी लिवर

डॉक्टर हंसाजी योगेंद्र (फेमस योग गुरु और द योगा इंस्टीट्यूट की डायरेक्टर) के मुताबिक सिर्फ शराब पीना ही फैटी लिवर का मुख्य कारण नहीं है। आजकल के दौर में फैटी लिवर का मुख्य कारण मेटाबॉलिक डिसफंक्शन है, जो अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड जैसे चिप्स, पिज्जा, बर्गर, बिस्कुट, केक



और अनहेल्दी लाइफस्टाइल से बढ़ता है। इसके शरीर छोटे-छोटे संकेत देता है। आप जरूरत से ज्यादा थकान महसूस करते हैं। खाने के बाद आपको भारीपन और बहुत आलस नींद जैसी आती है। ज्यादातर लोग बिना जाने इन चीजों का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। जिससे शरीर और लिवर दोनों पर लोड बढ़ रहा है।

लिवर के लिए कौन सा योग करना चाहिए?

रोजाना लिवर हीलिंग आसन करें, आपको समझना जरूरी है कि योग आपको तनाव से दूर रखने, वजन कंट्रोल करने, पाचनतंत्र को मजबूत बनाने का काम करता है जिससे आपकी लिवर हेल्थ में सुधार आता है।

इसके लिए मंडूकासन, नौकासन, अर्ध मत्स्येन्द्रासन भुजंगासन, सेतुबंध आसन, अधोमुख श्वानासन और सूर्य नमस्कार करना, प्राणायाम, सूर्य भेदन जैसे योग करना लिवर के लिए फायदेमंद है। इसे लिवर में ऑक्सीजन का फ्लो अच्छा होता है। लिवर को डिटॉक्स करने के लिए अग्निसार क्रिया और कपालभाति करना अच्छा माना जाता है।

लिवर को स्वस्थ रखने के लिए घरेलू उपचार

इसके अलावा आप रात में 1 चम्मच सौंफ को पानी में भिगो दें और सुबह इसे हल्का गर्म करके छान लें। इसे ठंडा होने पर पी लें। इससे लिवर का फैट डाइजेशन लोड कम होता है। खाने के बाद दिन में एक बार जीरा पानी या अजवाइन पानी पीना अच्छा होता है। इससे बाइल फ्लो अच्छा होता है और फैट कम जमा होता है। दो खाने के बीच 1 गिलास पानी में थोड़ा नींबू और एक पिंच हल्दी डालकर पीना अच्छा माना जाता है। हल्दी में पाया जाना वाला करक्यूमिन लिवर एंजाइम रिपेयर में मदद करता है। सुबह खाली पेट पपीता खाना, रोजाना कुछ चुकंदर के टुकड़े, भीगे बादाम सुबह नाश्ते में खाने से लिपिड मेटाबॉलिज्म रेगुलेट होता है।

सुबह खाली पेट खाएं एक चम्मच अलसी

आज के समय में लोगों की लाइफस्टाइल इतनी बिगड़ चुकी है कि लोग अक्सर कई स्वास्थ्य समस्याओं से घिरे रहते हैं। ऐसे में सुबह अपनी डाइट में सीड्स को शामिल कर आप खुद को फिट और हेल्दी रख सकते हैं। अलसी का बीज एक बेहद पौष्टिक सुपरफूड है। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं जो ओवरऑल हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं। नियमित रूप से खाली पेट अलसी के बीज का सेवन करने से कई हेल्थ प्रॉब्लम्स दूर होते हैं। यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि रोजाना सुबह खाली पेट अलसी खाने से क्या क्या फायदे होते हैं।

1. दिल की सेहत के लिए

अलसी में भरपूर मात्रा में ओमेगा-3 फैटी एसिड पाए जाते हैं। यह बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने और गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में मदद करता है। सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से धमनियों में ब्लॉकेज का खतरा कम होता है और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है, जिससे आपका दिल सेहतमंद रहता है।

2. पाचन तंत्र के लिए

गलत खानपान की वजह से आजकल कब्ज और गैस की समस्या आम हो चुकी है। अलसी में घुलनशील और अघुलनशील फाइबर की मात्रा बहुत अधिक होती है। सुबह खाली पेट एक चम्मच अलसी खाने से मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है, पेट खुलकर साफ होता है और पुरानी से पुरानी कब्ज की समस्या दूर होती है।

3. वजन घटाने में सहायक

अगर आप बढ़ते वजन से परेशान हैं, तो अलसी आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। इसमें मौजूद फाइबर और प्रोटीन पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रखते हैं, जिससे आपको बार-बार भूख नहीं लगती और आप ओवरईटिंग से बच जाते हैं।

4. त्वचा और बालों के लिए

अलसी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और ओमेगा-3 फैटी एसिड त्वचा को अंदर से हाइड्रेट करते हैं।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक
दैनन्दिनी.

गुरुवार 08 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

अमलीडीह नाला हादसे में मृत बच्चे के परिजनों को 4 लाख की सहायता

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा संचालित "प्रोजेक्ट राहत" के तहत ग्राम अमलीडीह, राजेन्द्र नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत नाले के पानी में डूबने से मृत 4 वर्षीय बालक काव्यांश साहू के परिवार को शासन द्वारा त्वरित सहायता प्रदान की गई। विधायक श्री मोतीलाल साहू एवं क्षेत्र प्रभारी नायब तहसीलदार सुश्री ज्योति सिंह ने मृतक बालक के घर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की और शोक संवेदना व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने बच्चे की माता श्रीमती किरण साहू को आरबीसी 6(4) के प्रावधानों के अंतर्गत 4,00,000 रुपये (चार लाख रुपये) की सहायता राशि का चेक सौंपा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ है।

विद्यार्थियों को दिया गया कौशल एवं रोजगारपरक प्रशिक्षण

दुर्ग। शासकीय नवीन महाविद्यालय, बोरी के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा विद्यार्थियों को रोजगारपरक कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नांदी फाउंडेशन के प्रतीक ताटोडे ने विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। प्राचार्य शासकीय नवीन महाविद्यालय बोरी से प्राप्त जानकारी अनुसार प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास, लक्ष्य निर्धारण, मनी मैनेजमेंट, रिज्यूमे निर्माण, साक्षात्कार की तैयारी, समूह चर्चा, स्मॉल टॉक्स एवं एक्सटेम्पोर, प्रोफेशनल एथिक्स, ई-मेल एटिकेट और प्रोजेक्ट राइटिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, संचार कौशल, प्रस्तुतीकरण क्षमता तथा रोजगार के लिए आवश्यक व्यावहारिक दक्षताओं का विकास करना रहा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को रोजगार के उपलब्ध अवसरों, प्रशिक्षण के बाद प्लेसमेंट सहायता तथा भविष्य में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन कौशल विकास कार्यक्रमों से जुड़ने के संबंध में भी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम निःशुल्क आयोजित किया गया तथा प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

एग्रीस्टेक का पंजीयन 30 अक्टूबर तक बढ़ा

दुर्ग। धान खरीदी विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों एवं उनके सह-हिस्सेदारों का शत-प्रतिशत एग्रीस्टेक पंजीयन होना अनिवार्य है। इस हेतु जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक से सम्बद्ध सेवा सहकारी समिति में संचालित कॉमन सर्विस सेन्टर के माध्यम से एग्रीस्टेक पंजीयन का कार्य अपने आश्रित ग्रामों में शिविर आयोजित कर किया गया। जिला दुर्ग में कुल 87 समितियों के आश्रित ग्रामों में 10 सितम्बर से 30 सितम्बर 2026 तक शिविर का आयोजन किया गया था जिसकी समीक्षा करने पर अपेक्षाकृत प्रगति नही हुई है। जिले में 456941 बकेट क्लेम (सहमति सत्यापन) में से मात्र 140487 की पुर्ति हुई है।

हजारों नागरिकों ने सेवा, संकल्प और जनभागीदारी के साथ दिया विकसित भारत-2047 का संदेश

सेवा संकल्प अभियान के तहत कबीरधाम में निकली भव्य सेवा ज्योति यात्रा

कवर्धा ■ दैनन्दिनी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सरकार के मुखिया के रूप में सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज कबीरधाम जिले में भव्य सेवा ज्योति यात्रा निकाली गई। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा, पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा, फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष श्रीमती मोना सेन सहित जनप्रतिनिधियों और हजारों नागरिकों ने यात्रा में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

सेवा ज्योति यात्रा से पूर्व शासकीय पीजी कॉलेज के डोम में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन के संबोधन को उपस्थित नागरिकों ने सुना। इसके बाद सेवा ज्योति यात्रा निर्धारित मार्ग से होते हुए सेवा ज्योति चौक पहुंची। यात्रा में सामाजिक संगठनों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों सहित बड़ी संख्या में जिलेवासियों ने भाग लेकर सेवा, जनभागीदारी और विकसित भारत-2047 के संकल्प का संदेश दिया।

संकल्प मजबूत हो तो लक्ष्य कितना भी बड़ा हो, मंजिल हासिल की जा सकती है — उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा



उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी और आज 7 अक्टूबर 2026 को सरकार के मुखिया के रूप में उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इन 25 वर्षों की यात्रा सेवा, सुशासन, संकल्प और देश को आगे ले जाने की यात्रा रही है। श्री शर्मा ने कहा कि संकल्प लेना बड़ी बात है, लेकिन उसे धरातल पर उतारना उससे भी बड़ी बात है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत-2047 का संकल्प देश के सामने रखा है। वर्ष 2047 में जब भारत विकसित राष्ट्र बने, तब हमारा छत्तीसगढ़ विकसित छत्तीसगढ़, कबीरधाम विकसित कबीरधाम और कवर्धा विकसित कवर्धा बने, यह हम सभी का संकल्प होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि लक्ष्य बड़ा हो सकता है और रास्ता कठिन हो सकता है, लेकिन संकल्प मजबूत हो तो मंजिल हासिल की जा सकती है। सेवा ज्योति यात्रा केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि जिले के विकास, सेवा और जनभागीदारी का संकल्प है। जब संकल्प बड़ा हो, नीयत स्पष्ट हो और 140 करोड़ देशवासियों की शक्ति साथ हो तो लक्ष्य कितना भी बड़ा क्यों न हो, "हम जरूर करबो।"

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि पिछले वर्षों में देश ने राष्ट्रीय एकता, सुरक्षा और विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव देखे हैं। आतंकवाद के विरुद्ध सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाइयों ने भारत के सामर्थ्य का संदेश दिया है।

जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के अधिकांश प्रावधानों को समाप्त करने तथा अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण और रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा जैसी घटनाएं देश के सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण रही हैं।

कुकदुर पुलिस की कार्यवाही, 11 मवेशी जब्त

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव के निर्देश पर थाना प्रभारी कुकदुर निरीक्षक संतोष मिश्रा के नेतृत्व में थाना कुकदुर पुलिस द्वारा अवैध पशु परिवहन एवं पशुओं के प्रति क्रूरता के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई।

दिनांक-06.10.2026 की दरम्यानी रात ग्राम पोलमी क्षेत्र से मवेशियों के अवैध परिवहन किए जाने की सूचना थाना कुकदुर पुलिस को प्राप्त हुई। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध वाहनों की जांच एवं निगरानी की गई। इस दौरान CG-28 N- 5024, CG-28 N-7104, CG PN-8951 एवं CG-10 CC-6837 को रोककर जांच करने पर चारों वाहनों में कुल 08 नग भैंस एवं 03 नग पाड़ा, कुल 11 मवेशी, बिना चारा-पानी के क्रूरतापूर्वक परिवहन करते पाए गए। पुलिस टीम द्वारा तत्काल मवेशियों को सुरक्षित बरामद करते हुए परिवहन में प्रयुक्त चारों वाहनों को विधिवत जब्त किया गया।

प्रकरण में कुकदुर पुलिस द्वारा कुल 08 आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 79/2026, धारा 4, 6, 10 छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम, 2004, धारा 11 पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 एवं धारा 66/192 मोटरयान अधिनियम, 1988 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई। प्रकरण में जप्त मवेशियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया तथा उन्हें गौशाला में दाखिल कराया गया है। पुलिस द्वारा प्रकरण में आरोपियों के कब्जे से 08 नग भैंस एवं 03 नग पाड़ा, कीमत 3,40,000/- रुपये तथा मवेशियों के परिवहन में प्रयुक्त चार वाहनों को जब्त किया गया है।

जप्त वाहनों में CG 28 N 5024 महिन्द्रा बोलेरो, कीमत 7,00,000 रुपये; CG 28 N 7104 टाटा योद्धा, कीमत 8,00,000 रुपये; CG PN 8951 महिन्द्रा बोलेरो, कीमत 7,00,000 रुपये तथा CG 10 CC 6837 महिन्द्रा बोलेरो, कीमत 6,00,000 रुपये शामिल हैं।

इस प्रकार प्रकरण में मवेशियों एवं वाहनों सहित कुल 31,40,000 रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। प्रकरण की विवेचना जारी है। कबीरधाम पुलिस द्वारा पशुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए अवैध पशु परिवहन एवं तस्करी के विरुद्ध लगातार निगरानी एवं कार्यवाही की जा रही है। पशु तस्करी में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध आगे भी प्रभावी वैधानिक कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

महतारी वंदन योजना की 32वीं किस्त का भुगतान आज

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रदेश में महतारी वंदन योजना 01 मार्च 2024 से लागू की गई है। योजना का लाभ लेने हेतु कुल 70 लाख 27 हजार 154 हितग्राहियों के द्वारा आवेदन किया गया था, जिनमें से पात्रता रखने वाले 70 लाख 09 हजार 578 महिलाओं को 10 मार्च 2024 को प्रथम बार माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से सहायता राशि का अंतरण किया गया। महतारी वंदन योजना में डीबीटी के माध्यम से भुगतान किया जाता है। जिसका उपयोग राज्य की महिलाओं द्वारा सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण एवं कुपोषण, एनिमिया निवारण में किया जा रहा है।

योजना प्रारंभ से अब तक प्रदेश के महतारियों को 31 किश्तों में 20075.71 करोड़ रूपये की सहायता अनुमोदित किया जाकर दी जा चुकी है। 08 अक्टूबर 2026 को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के द्वारा प्रदेश की महतारियों को 32 वीं किस्त के भुगतान दुर्ग में आयोजित कार्यक्रम में किया जाएगा। विभाग द्वारा महतारी वंदन योजना 32 वीं किश्त में ई-केवायसी करा चुके 67 लाख 38 हजार 217 हितग्राहियों को कुल राशि रू. 632 करोड़ 40 लाख 04 हजार 250 रूपए का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया जाएगा। अतः इस प्रकार 32वीं किस्त के साथ योजना के हितग्राहियों को 20708.11 करोड़ का भुगतान हो जाएगा।

माह अक्टूबर 2026 की 32 वीं किश्त के भुगतान हेतु अद्यतन स्थिति में कुल पात्र 68 लाख 52 हजार 661 हितग्राहियों में से अनुमोदन हेतु 67 लाख 31 हजार 314 हितग्राही एवं नियद नेल्लानार के हितग्राहियों के 12वीं किस्त के भुगतान अनुमोदन हेतु 6 हजार 903 हितग्राही, अनुमोदन हेतु 67 लाख 38 हजार 217 हितग्राहियों को महतारी वंदन योजना की राशि का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया जायेगा।

संघमित्रा फुलझेले को सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने दी श्रद्धांजलि



कैलाश नाथ फुलझेले की पत्नी श्रीमती संघमित्रा फुलझेले के आज 13वीं कार्यक्रम में वॉलफोर्ड हाइट क्लब हाउस भटगांव रायपुर में रखी गई थी जिसमें शहर के नागरिकों एवं विधायक सुनील सोनी ,महापौर श्रीमती मीनल चौबे एवं सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल जी द्वारा पूलमाला पहनाकर श्रद्धांजलि अर्पित किए.

सुदूर वनांचल पोलमी के खेत में पहुंचीं कलेक्टर नॉन-डीसीएस फसलों के सत्यापन का किया निरीक्षण

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम जिले में नॉन-डीसीएस फसलों के भौतिक सत्यापन का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने पंडरिया विकासखंड के सुदूर वनांचल क्षेत्र ग्राम पोलमी में खेत में पहुंचकर नॉन-डीसीएस फसलों के भौतिक सत्यापन कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने सर्वेयर एवं हल्का पटवारी द्वारा की जा रही ई-गिरदावरी की प्रक्रिया को मौके पर देखा और सर्वे कार्य की प्रगति की जानकारी ली।

ग्राम पोलमी में कृषक श्री मदन के खसरा नंबर 176/1 में



नॉन-डीसीएस फसल का भौतिक सत्यापन किया जा रहा था। कलेक्टर ने सर्वेयर से खेत में दर्ज की जा रही जानकारी, फसल के रकबे और डिजिटल सर्वे की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि खेत में दर्ज प्रत्येक जानकारी मौके की वास्तविक स्थिति के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने शत-प्रतिशत, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित सर्वे सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डिजिटल क्रॉप सर्वे के तहत सर्वेयर खेत में पहुंचकर भूमि का विवरण एप के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज कर रहे हैं। इसके साथ ही खेत की फोटो भी अपलोड की जा रही है। दर्ज जानकारी का पटवारी एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सत्यापन किया जाएगा। इस प्रक्रिया से प्रत्येक खेत में बोई गई फसल और उसके रकबे का व्यवस्थित डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होगा। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सर्वे कार्य को गुणवत्तापूर्वक और समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए।

जीपीएम जिले के पीएचसी साधवानी ने एनक्यूएएस में हासिल की महत्वपूर्ण उपलब्धि

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और मरीज-केंद्रित बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (जीपीएम) जिले ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र साधवानी ने निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरा उतरते हुए राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) के मूल्यांकन में सफलतापूर्वक क्वालीफाई किया है। यह उपलब्धि जिले में गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए किए जा रहे सतत प्रयासों को दर्शाती है।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के अंतर्गत स्वास्थ्य संस्थानों में मरीजों को दी जाने वाली सेवाओं, मरीजों के अधिकारों, उपलब्ध संसाधनों, सहायक एवं क्लीनिकल सेवाओं, संक्रमण नियंत्रण, गुणवत्ता प्रबंधन तथा परिणाम आधारित सेवाओं सहित विभिन्न निर्धारित मानकों का मूल्यांकन



किया जाता है। पीएचसी साधवानी ने इन मानकों के अनुरूप अपनी स्वास्थ्य सेवाओं, व्यवस्थाओं और गुणवत्ता प्रबंधन को बेहतर बनाते हुए यह उपलब्धि हासिल की है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा अंतिम व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के साथ शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी उद्देश्य के अनुरूप जीपीएम जिले में भी स्वास्थ्य संस्थानों को राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप विकसित करने की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है।

जिला कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के निर्देशन में जिले के स्वास्थ्य संस्थानों में एनक्यूएएस प्रमाणीकरण और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार को प्राथमिकता देते हुए लगातार कार्य किया जा रहा है। इसके तहत स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने, रिकॉर्ड एवं दस्तावेजों को सुव्यवस्थित रखने, संक्रमण नियंत्रण के मानकों का पालन सुनिश्चित करने और मरीज-केंद्रित सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

पीएचसी साधवानी की इस उपलब्धि में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के सतत मार्गदर्शन एवं प्रभावी मॉनिटरिंग के साथ जिला स्तरीय टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। एनक्यूएएस मूल्यांकन की तैयारियों के दौरान फील्ड मॉनिटरिंग, गैप एनालिसिस, दस्तावेजीकरण तथा आवश्यक सुधारात्मक गतिविधियों पर निरंतर कार्य किया गया।

पीएचसी साधवानी के चिकित्सा अधिकारी, आरएमए, एएनएम, स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, सपोर्टिंग स्टाफ सहित समस्त स्वास्थ्यकर्मियों ने टीम भावना और समन्वय के साथ कार्य करते हुए इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। एनक्यूएएस में मिली यह सफलता जिले के अन्य स्वास्थ्य संस्थानों को भी राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप अपनी सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करेगी।

वर्तमान शासन में लोकतंत्र का हो रहा चीरहरण : जिलाध्यक्ष बेसरा

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। देश में मतदाता सूची और निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार एवं निर्वाचन आयोग पर गंभीर सवाल उठाए हैं। 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत बुधवार को जिला कांग्रेस भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने कहा कि वर्तमान भाजपा शासनकाल में लोकतंत्र का चीरहरण हो रहा है।उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें निर्देशित करने वाले 'शकुनी और दुर्योधन' कौन हैं,यह भी बड़ा प्रश्न है।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि संविधान सभा के नेताओं ने देश के नागरिकों को मताधिकार देकर अपनी पसंद की सरकार चुनने का अधिकार दिया था,लेकिन आज चुनावी प्रक्रिया और मतदाता सूची को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के तहत देश में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं।कांग्रेस का दावा है कि देश में करीब 13 करोड़ और



छत्तीसगढ़ में करीब 25 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। उन्होंने इसकी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

बेसरा ने कहा कि मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया और इसके आधार की जांच आवश्यक है। कांग्रेस का आरोप है कि यह लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ है।कांग्रेस की मांग है कि SIR लागू होने के बाद हुए सभी चुनावों की समीक्षा की जाए तथा पुरानी मतदाता सूची को पुनः लागू किया जाए।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग,,,,,,,, सुखचंद बेसरा ने कहा कि तीन सदस्यीय निर्वाचन आयोग में दो सदस्यों द्वारा इस पूरे मामले को लेकर आपत्तियां दर्ज किए जाने के बावजूद मुख्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा जिस तरह फैसले लिए गए, उससे निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस पूरे देश में लोकतंत्र बचाओ अभियान चला रही है।

उन्होंने ईवीएम को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पूर्व में उठाए गए सवालों की स्पष्ट जांच नहीं हो पाई है।कांग्रेस ने केंद्र की भाजपा सरकार पर विभिन्न सरकारी उपक्रमों,रेलवे कॉरिडोर,कारखानों एवं खदानों को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए।

पत्रकार वार्ता में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष द्वारा निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग की भूमिका को लेकर आम जनता के बीच संदेह पैदा हो रहा है और आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं।

:- संपादकीय :-

जिम्मेदारी का पर्यटन

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि हिमालय के संवेदनशील इलाकों में धार्मिक पर्यटन के लिये निकले लोग ऐसा व्यवहार करते हैं मानो यह क्षेत्र उनकी विलासिता की सैरगाह हो। वे अपनी सुख-सुविधाओं को प्राथमिकता देते हैं और इस इलाके के नैसर्गिक परिवेश से खिलवाड़ करते हैं। मिली सूचनाओं के अनुसार इस साल सितंबर के मध्य तक, चारधाम यात्रा के दौरान तीर्थयात्री 800 टन से अधिक का कचरा वहां फेंक आए हैं। वहीं यदि हेमकुंट साहिब और वैली ऑफ फ्लॉवर्स का कचरा भी इसमें शामिल कर लें तो मात्रा और अधिक हो जाती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि हिमालय पर्वत शृंखलाओं में तीन हजार मीटर से ज्यादा ऊंचाई पर प्लास्टिक की बोतलें, रैपर और डिस्पोजेबल चीजें पायी गई हैं। निस्संदेह, इससे यही संकेत मिलता है कि यात्री इन धार्मिक स्थलों के आसपास ऐसा व्यवहार कर रहे हैं जैसे यह उनकी मौज-मस्ती की जगह हो। यह जानते हुए कि इन दुर्गम इलाकों में शहरों की तरह कचरे निपटान की पर्याप्त व्यवस्था और क्षमता नहीं है। सही मायने में यदि तीर्थयात्री किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर निकलें तो तीर्थयात्रा पर आध्यात्मिक छाप पड़नी चाहिए, न कि प्लास्टिक के कचरे की। यही वजह है कि संवेदनशील हिमालयी क्षेत्रों में धार्मिक पर्यटन का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रसिद्ध तीर्थ स्थल केदारनाथ धाम के हालिया आंकड़ों को चेतावनी की तरह लिया जाना चाहिए। बताते हैं कि अप्रैल से अगस्त के बीच इस तीर्थ स्थल पर तीर्थयात्रियों द्वारा छोड़ा गया 50.30 टन कचरा जमा हुआ। यह कचरा वर्ष 2023 से 2025 के बीच किसी भी पूरे साल में जमा हुए कचरे से कहीं ज्यादा पाया गया है। जो हिमालयी पारिस्थितिकीय संतुलन की दृष्टि से बेहद चिंता का विषय है। लेकिन तमाम तीर्थ यात्रियों के इस अराजक व्यवहार के विपरीत कैरी मी बैक अभियान की पहल एक नई उम्मीद भी जगाती है।उल्लेखनीय है कि कैरी मी बैक मुहिम के तरत लगभग पांच हजार तीर्थयात्री इस इलाके में करीब 18 किलोमीटर के रास्ते में 12 टन से अधिक कंप्रेस्ड प्लास्टिक वापस नीचे लेकर आए हैं। निस्संदेह, यह पहल काबिले तारीफ व प्रेरणादायी है। ऐसी मुहिम तीर्थयात्रियों को पर्यावरण संरक्षण की पहल में भागीदार बनाती है। इसके बावजूद ये प्रयास एक जिम्मेदार पर्यटन नीति की जगह नहीं ले सकते। ऐसे में बड़ा प्रश्न यह है कि पहाड़ों तक इतना कचरा क्यों और कैसे पहुंचता है।

सार्क ने 12 वर्षों में कोई शिखर सम्मेलन आयोजित नहीं किया

ललित गर्ग ।

तीसरा, अनुच्छेद को वैसा ही पढ़ें, जैसा वह लिखा गया है। आतंकवाद 1987 में ही द्विपक्षीय नहीं रहा था, जब सदस्यों ने आतंकवाद के दमन पर सार्क क्षेत्रीय सम्मेलन पर हस्ताक्षर किए थे, इसलिए भारत की पूर्व शर्त को मंच के भीतर भी आगे बढ़ाया जा सकता है। चौथा, नेपाल को अध्यक्षता सौंपने दें। पांचवां, एक शर्त के साथ माइनस-ङ्क को स्वीकार करें-ङ्क किसी परियोजना से अनुपस्थित हो सकता है, चार्टर से कभी नहीं, ताकि कोई विकल्प दक्षिण एशिया की मेज पर बीजिंग को न बैठा दे। प्रधानमंत्री वाजपेयी ने 2003 में कहा था- ह्यमित्र बदल सकते हैं, पड़ोसी नहींह्ण। इस्लामाबाद शिखर सम्मेलन जल्द नहीं होगा और शायद तब तक होना भी नहीं चाहिए, जब तक पाकिस्तान की आतंकवादी प्रवृत्ति मैदान में बनी हुई है। इसके बावजूद यह मंच फिर से सांस ले सकता है, यदि सबसे बड़ा सदस्य यह निष्कर्ष निकाले कि अनुपस्थिति की तुलना में उपस्थिति कम महंगी है।-प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स नेताओं से कहा कि ग्लोबल साऊथ दुनिया के संकटों की अग्रिम पंक्ति में और उसके फैसलों की पिछली पंक्ति में बैठता है और हमें इस विशेषाधिकार के पिरामिड को सांझेदारी के मंच में बदलना चाहिए। दक्षिण एशिया, जो मानवता का एक चौथाई हिस्सा है, उसकी कोई पंक्ति ही नहीं है। प्रति व्यक्ति जी.डी.पी. के आधार पर पीटरसन इंस्टीच्यूट फॉर इंटरनैशनल इकोनॉमिक्स का एक अनुमान बताता है, ग्लोबल साऊथ दुनिया की 85 प्रतिशत आबादी और वैश्विक जी.डी.पी. के लगभग 39 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है।



13 सितम्बर को जैसे ही अंतिम ब्रिक्स काफिला भारत मंडपम से निकला, जिसके 2 सप्ताह पहले एस.सी.ओ. शिखर सम्मेलन और आगे जी20 था, तो किसी को एक गुस्ताख सवाल पूछने के लिए माफ किया जा सकता है- भारत आखिरी बार अपने सभी 7 दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के साथ एक मेज पर कब बैठा था? वह 27 नवम्बर, 2014 को काठमांडू में था। उसके बाद से सब कुछ खाली कुर्सी का ही एक इतिहास रहा है।विडंबना तीखी है। प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स नेताओं से कहा कि ग्लोबल साऊथ दुनिया के संकटों की अग्रिम पंक्ति में और उसके फैसलों की पिछली पंक्ति में बैठता है और हमें इस विशेषाधिकार के पिरामिड को सांझेदारी के मंच में बदलना चाहिए। दक्षिण एशिया, जो मानवता का एक चौथाई हिस्सा है, उसकी कोई पंक्ति ही नहीं है। प्रति व्यक्ति जी.डी.पी. के आधार पर पीटरसन इंस्टीच्यूट फॉर इंटरनैशनल इकोनॉमिक्स का एक अनुमान बताता है, ग्लोबल साऊथ दुनिया की 85 प्रतिशत आबादी और वैश्विक जी.डी.पी. के लगभग 39 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। सार्क ने 12 वर्षों में कोई शिखर सम्मेलन आयोजित नहीं किया और इसके विदेश मंत्री औपचारिक रूप से आखिरी बार मार्च 2016 में मिले थे। दूर के ढोल सुहावने लगते हैं। पड़ोस में ढोल एक दशक से खामोश है।सार्क किसी अन्य के विचार से पहले बंगलादेश का विचार था और इसके 1985 के चार्टर ने इसे कागज पर पृथ्वी का सबसे अधिक आबादी वाला क्षेत्रीय समूह बना दिया। कागज पर ही इसका अधिकांश हिस्सा सीमित रहा है। अनुच्छेद क्क नेताओं को वर्ष में कम से कम एक बार मिलने के लिए प्रतिबद्ध करता है। अनुच्छेद प्रत्येक स्तर पर सर्वसम्मति की मांग करता है और ह्यद्विपक्षीय और विवादास्पद मुद्दोंह्ण को बाहर रखता है। सार्क की आबादी का लगभग तीन-चौथाई और उसके उत्पादन का 75 से 80 प्रतिशत हिस्सा भारत का है। सर्वसम्मति, जो प्रवेश का मूल्य था, ने सभी को वीटो दे दिया। यह मंच पंगु होने से बहुत पहले ही कमजोर हो चुका था-इसके 18 में से 11 शिखर सम्मेलन स्थगित किए गए थे, वे सभी 18 सितम्बर, 2016 को जम्मू और कश्मीर के उरी में 12वीं इन्फैंट्री ब्रिगेड के प्रशासनिक बेस पर हुए आतंकी हमले से पहले के थे। श्रीलंका ने 1980 के दशक के उत्तरार्ध में तब तक मेजबानी करने से इंकार कर दिया, जब तक कि भारतीय शांति सेना (आई.पी.के.एफ.) वापस नहीं हट गई, मालदीव और भूटान ने बुनियादी ढांचे, वित्तीय और राजनीतिक बाधाओं के कारण इसे स्थगित किया और पाकिस्तान, बंगलादेश तथा नेपाल में घरेलू अस्थिरता के कारण आगे और व्यवधान उत्पन्न हुए।विदेश मंत्री 2021 तक महासभा के इतर अनौपचारिक रूप से मिलते रहे, जब काबुल की ओर से कौन बोलता है, इस सवाल ने इसे भी समाप्त कर दिया। नेपाल 2014 से अध्यक्ष पद पर बना हुआ है। समितियां संयुक्त सचिव स्तर पर मिलती हैं और बकाए का भुगतान किया जाता है। नई दिल्ली ने वही किया जो बड़ी शक्तियां करती हैं-उसने मंच के इर्द-गिर्द निर्माण किया। उरी के एक महीने के भीतर, भारत ने गोवा में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के साथ-साथ बिम्सटेक आऊटरीच शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। बंगाल की खाड़ी के इस समूह में सार्क के 8 में से 5 सदस्य हैं और पाकिस्तान नहीं है। यह काबुल, माले या सिंधु तक नहीं पहुंच सकता। पड़ोस ने विनम्रता से इंतजार करना बंद कर दिया है। बंगलादेश, जो इस मंच का रचयिता था, इसका सबसे मुखर शोक मनाने वाला रहा है। मुहम्मद यूनुस ने दिसम्बर में कहा था कि वह सार्क की बैठक के लिए भले ही केवल 5 मिनट के लिए तैयार हो जाते। तारिक रहमान की निर्वाचित सरकार पुनरुद्धार को एक विदेश नीति का उद्देश्य मानती है और कहती है कि ढाका को सार्क और बिम्सटेक के बीच चयन करने की आवश्यकता नहीं है। मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने 2 बार पुनरुद्धार का आह्वान किया और माले को मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत किया है। नई सरकारों, चरमराई अर्थव्यवस्थाओं और टैरिफ युद्ध ने छोटे देशों को याद दिला दिया है कि एक गुट ही उनकी एकमात्र सौदेबाजी की ताकत है। नई दिल्ली का जवाब अपरिवर्तित है- दक्षिण एशिया में हर कोई जानता है कि कौन-सा देश सार्क को रोक रहा है, यह पाकिस्तान है जो आतंकवाद को राजकीय नीति के साधन के रूप में त्यागने से इंकार करता है। इस्लामाबाद ने विकल्पों की तलाश शुरू कर दी है। पाकिस्तानी, चीनी और बंगलादेशी राजनयिक जून, 2025 में कुनमिंग में मिले, पाकिस्तान ने कहा है कि क्षेत्रीय समूहों को ह्यकिसी की हठधर्मिता का बंधकह्ण नहीं बनाया जाना चाहिए और पाकिस्तानी रिपोटग एक ऐसे संगठन का वर्णन करती है, जिसे बीजिंग के साथ मिलकर तैयार किया गया है, जो सार्क की जगह ले सकता है। जो देश भारत मंडपम में ग्लोबल साऊथ की बात करता है, उस पर अपने दरवाजे के बाहर खड़े दक्षिण एशिया को जवाब देने की जिम्मेदारी है। फिर, कैसे? पहला, प्रक्रिया को शिखर सम्मेलन से अलग करें। भारतीय प्रधानमंत्री के इस्लामाबाद में कदम रखे बिना भी मंत्री और विदेश सचिव अनुच्छेद क्ष और श के तहत काठमांडू में बैठक कर सकते हैं। दूसरा, अनुच्छेद श्क्क का उपयोग करें-ग्रिड, आपदा प्रबंधन और फूड बैंक के लिए एक्शन कमेटियां।

राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। अचानक धन लाभ होने के योग हैं। मित्र और सहकर्मी आज आपके प्रयासों में आपका सहयोग करेंगे। आपको अपने कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी। आज आपकी यात्राएं लाभदायक सिद्ध होंगी। आप अपने परिवारजनों और मित्रों के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे। आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने के योग बन रहे हैं।

वृष राशिः आज आपका दिन अच्छा गुजरेगा। शिक्षक आज किसी मीटिंग में शामिल होंगे। आज बड़ों से कुछ नया सीखने को मिलेगा, जो आगे चलकर आपके काम आएगा। वर्क फ्रॉम होम कर रही महिलाओं का काम अच्छा चलेगा। आज आपके आय-व्यय में समानता बनी रहेगी। आप किसी ऐसे व्यक्ति के संपर्क में आ सकते हैं, जो भविष्य में आपके जीवन में प्रभावशाली भूमिका निभाएगा। किसी प्रशासनिक कार्य में उच्चाधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

मिथुन राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज बेटी के करियर को लेकर किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज के दिन आप कुछ नया करने की कोशिश कर सकते हैं आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। आज किया गया उचित निवेश भविष्य में बहुत लाभ देगा। नया घर लेने का मन बना रहे हैं तो आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

कर्क राशिः आज का दिन कार्य क्षेत्र में अच्छा लाभ दिलाने वाला है। संतान की चिंता कम होगी, अच्छी जॉब लगने से घर में उत्सव सा माहौल बना रहेगा। नया वाहन खरीदने की उत्सुकता आपके मन में रहेगी। आयात-निर्यात का काम कर रहे लोगों को सफलता मिलेगी। आज आपको उधार लेनदेन से बचना चाहिए। आज आपके शत्रु पक्ष आपसे दूरी बनाकर रहेंगे।

सिंह राशिः आज आपका दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आएगा। किसानों को अपने श्रम का अच्छा लाभ मिलेगा। आपका स्वास्थ्य रोज की अपेक्षा अच्छा रहने वाला है। पारिवारिक परिस्थितियों में पहले से बेहतर सुधार आएगा। आप किसी के साथ बेवजह उलझने से बचें। दूसरों के सामने अपनी बात खुलकर रखने का मौका मिलेगा।

कन्या राशिःआज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। विद्यार्थियों को करियर का चुनाव के लिए अच्छे अवसर मिलेंगे। आज आप किसी काम में पूरी तरह व्यस्त रहेंगे। आज आपको प्रापर्टी खरीदने से लाभ मिलेगा। आज लिए गए व्यावसायिक निर्णय भविष्य में लाभकारी सिद्ध होंगे। शाम का समय अपने परिवार वालों के साथ बिताएंगे। अपने काम को किसी नए तरीके से करने की कोशिश करेंगे।

तुला राशिः आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। अधिकारियों के सहयोग से ऑफिस के रुके काम में सफलता मिलेगी। आज परिवारजनों के साथ प्यार और स्नेह बढ़ेगा। माता-पिता से भविष्य के बारे में विचार विमर्श कर सकते हैं। बाहर के खान-पान से परहेज करें। आज कोई बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते हैं।

वृश्चिक राशिः आज आपको करियर में नई ऊंचाइयां मिलेंगी। बिजनेस के लिहाज से दिन बेहतर होगा। आज आपके परिवार के लोग आपसे प्रसन्न रहेंगे। आज किसी बड़े मामले पर समझौता और सहयोग करने के लिए तैयार रहें। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के लिए फॉर्म भरेंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन कान्फिडेंस से भरा रहेगा। आज आपका मनचाहा काम पूरा होने का योग बन रहा है। घर बनवा रहे लोगों का काम आगे बढ़ेगा। आज बेटी को सफलता मिलेगी, जिससे लोग आपको बधाई देंगे। इस राशि के जिन लोगों का आज बर्थडे है वो अपने दोस्तों को किसी अच्छे रेस्टोरेंट में पार्टी देंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। विद्यार्थियों को अपने सहपाठियों की मदद मिलेगी, जिससे दोस्ती में मिठास बढ़ेगी। कार्य क्षेत्र में आ रही बाधाएं आज समाप्त होंगी, काम करने में सरलता होगी। आपका मन ईश्वर की भक्ति में लगा रहेगा।

कुंभ राशिः आज आपकी दिनचर्या अच्छी रहेगी। आज आपके विरोधी आपसे दूर रहेंगे। आज आप किसी नए विषय पर घरवालों से चर्चा करेंगे, आपके विचारों से लोग सहमत होंगे। नया रोजगार मिलने से आर्थिक स्थिति में बेहतर सुधार आएगा।

मीन राशिःआज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपको अपनी मनपसंद की कंपनी में इंटरव्यू के लिए बुलाया जा सकता है। इस राशि के उभरते हुए लेखकों के लिए आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है।

सू- दोकू क्र.182

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.181का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

नजरिया | नीरज कुमार दुबे ।

सार्वजनिक स्वास्थ्य कवरेज की ओर अग्रसर



आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) देश की स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था में आर्थिक सुरक्षा का प्रमुख आधार बनकर उभरी है। योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को प्रति परिवार प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क और कैशलेस अस्पताल उपचार उपलब्ध कराया जाता है। योजना की आठवीं वर्षगांठ के अवसर पर 21 सितंबर 2026 तक देश की लगभग 33 प्रतिशत आबादी यानी 48.51 करोड़ से अधिक लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। वहीं, 31 अगस्त 2026 तक योजना के तहत 13.25 करोड़ से अधिक अस्पताल दाखिलों के लिए 2.03 लाख करोड़ रुपये की राशि का वित्तपोषण किया जा चुका है।एबी-पीएमजेएवाई के तहत देशभर के 38 हजार से अधिक सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों के नेटवर्क के माध्यम से लाभार्थियों को द्वितीयक और तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। योजना का उद्देश्य गंभीर बीमारी और महंगे उपचार के कारण परिवारों को आर्थिक संकट और भारी चिकित्सा ऋण से बचाना है।सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम-भारत सरकार ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए 23 सितंबर 2018 को आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की शुरूआत की थी। यह दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं में शामिल है। योजना के तहत 27 चिकित्सा विशेषज्ञताओं में 1,961 उपचार प्रक्रियाओं के लिए कैशलेस स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं।

आयुष्मान भारत के तहत एबी-पीएमजेएवाई के साथ आयुष्मान आरोग्य मंदिर, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन और प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-अभिम) मिलकर देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को व्यापक आधार प्रदान कर रहे हैं। इन योजनाओं के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल से लेकर अस्पताल में उपचार, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और आधुनिक स्वास्थ्य अवसंरचना तक स्वास्थ्य सेवाओं की पूरी श्रृंखला को मजबूत किया जा रहा है।आशा और आंगनवाड़ी कार्यकताओं को भी मिला लाभसरकार ने मार्च 2024 में एबी-पीएमजेएवाई का विस्तार करते हुए मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकताओं (आशा), आंगनवाड़ी कार्यकताओं और आंगनवाड़ी सहायिकाओं के लगभग 37 लाख परिवारों को योजना में शामिल किया था। 21 सितंबर 2026 तक इन वर्गों के लिए 44.81 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं इसके अलावा 11 सितंबर 2024 को योजना का विस्तार 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों तक किया गया। इससे लगभग 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा कवच मिला है। 21 सितंबर 2026 तक 1.36 करोड़ से अधिक वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाए जा चुके हैं।ग्रामीण और शहरी गरीबों को लक्षित कवरेज-योजना के पात्र लाभार्थियों की पहचान सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना-2011 में निर्धारित अभाव और व्यावसायिक मानदंडों के आधार पर की जाती है। इसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत पहले से शामिल परिवार भी आते हैं।ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे परिवार पात्र हैं जिनके पास कच्ची दीवार और कच्ची छत वाला केवल एक कमरा है, जिनमें 16 से 59 वर्ष की आयु का कोई वयस्क सदस्य नहीं है, महिला मुखिया वाले परिवार जिनमें 16 से 59 वर्ष की आयु का कोई वयस्क पुरुष सदस्य नहीं है, दिव्यांग सदस्य वाले ऐसे परिवार जिनमें कोई सक्षम वयस्क सदस्य नहीं है, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के परिवार तथा भूमिहीन परिवार जिनकी आय का प्रमुख स्रोत दिहाड़ी मजदूरी है।

विचार

शाकाहार है स्वस्थ और संतुलित दुनिया का आधार



शाकाहार का एक महत्वपूर्ण पक्ष पर्यावरण से जुड़ा है। पशुपालन और औद्योगिक मांस उत्पादन के लिए भूमि, जल, चारा और ऊर्जा की बड़ी मात्रा की आवश्यकता होती है। पशुधन से जुड़ी गतिविधियां ग्रीनहाउस गैसों, जल उपयोग और भूमि पर दबाव जैसे पर्यावरणीय प्रश्नों से भी जुड़ी हैं।बढ़ती बीमारियों, तनावपूर्ण जीवन और पर्यावरणीय संकटों के बीच मनुष्य को अपने खानपान पर नए सिरे से विचार करने की आवश्यकता महसूस हो रही है। जीवन की गुणवत्ता और निरोगता के लिए आहार में परिवर्तन के स्वर आज दुनिया के अनेक हिस्सों में सुनाई दे रहे हैं। इसी संदर्भ में शाकाहार केवल भोजन की एक पद्धति नहीं, बल्कि करुणा, अहिंसा, स्वास्थ्य, पर्यावरण-संरक्षण और संतुलित जीवन का व्यापक दर्शन बनकर सामने आ रहा है। प्रतिवर्ष 1 अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व शाकाहार दिवस इसी जीवनशैली के प्रति जागरूकता पैदा करने का अवसर है। इस दिवस का आरंभ 1977 में नॉर्थ अमेरिकन वेजिटेरियन सोसायटी की पहल से हुआ और 1978 में इंटरनेशनल वेजिटेरियन यूनियन ने इसका समर्थन किया। इसका उद्देश्य शाकाहार से जुड़े स्वास्थ्य, पर्यावरणीय, नैतिक और मानवीय पक्षों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। आज आवश्यकता इस बात की है कि शाकाहार को किसी संकीर्ण धार्मिक या खानपान की पहचान तक सीमित न रखकर उसे स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली के रूप में समझा जाए। भोजन मनुष्य के शरीर को ही नहीं, उसके विचारों और व्यवहार को भी प्रभावित करता है। जैसा भोजन, वैसी वृत्ति और जैसी वृत्ति, वैसा जीवन-यह भारतीय चिंतन की महत्वपूर्ण धारणा रही है।

वतन से दूर एक वतन

अपने बिछुड़े वतन के बारे में बचपन में सुने ये दो गीत कभी नहीं भूलते, हमारी पीढ़ी रेडियो पर इनको सुनकर और वक्त-वक्त पर इन्हें गुनगुना कर बड़ी हुई है। लाल किला (1960) फि ल्म में बहादुर शाह जफर का लिखा और मुहम्मद रफी का गाया गीत–लगता नहीं है दिल मिरा उजड़े दयार में किस की बनी है आलम-ए-ना-पाएदार में। इन हसरतों से कह दो कहीं और जा बसें इतनी जगह कहां है दिल-ए-दाग-दार में। काबुलीवाला (1961) फि ल्म में प्रेम धवन का लिखा और मन्ना डे का गाया गीत–ऐ मेरे प्यारे वतन ऐ मेरे बिछड़े चमन, तुझपे दिल कुरबान...।अभी हाल में घाटशिला में आयोजित प्रगतिशील लेखक संघ के कहानी लेखन शिविर के दौरान मैंने बच्चों को रजिया सज्जाद जहीर की कहानी ह्यनमकह्ण के बारे में बताया। बंटवारे के कुछ साल बाद एक मुस्लिम स्त्री साफिया अपने भाइयों से मिलने लाहौर जाती है तो अपनी दिवंगत मां की सहेली से पूछती है आपके लिए लाहौर से क्या लेकर आऊं? वे कहती हैं कि और कुछ नहीं, मेरे लिए थोड़ा-सा लाहौरी नमक लेकर आना। उसके भाइयों ने चेताया कि यहां से नमक लेकर सरहद पार जाने पर पाबंदी है। इसलिए वह नमक की पुड़िया पाकिस्तान में ही छोड़ दे। लेकिन वह मां की सहेली के साथ किए वादे से बंधी हुई थी। उसने तय किया कि नमक को छुपा कर सरहद पार नहीं करेगी बल्कि कस्टम वालों को दिखा बता कर इजाजत मांगेगी। अफसर भी तो इंसान ही हैं। जब वह पाकिस्तानी कस्टम अफसर को नमक की पुड़िया दिखाकर इजाजत मांगती है तो उसका दिल इसलिए पसीज जाता है कि वह उसके वतन दिल्ली जा रही है। भारतीय कस्टम अफसर उसकी बात इसलिए मान जाता है कि साफिया की लाहौरी नमक की पुड़िया देखकर उसे अपने वतन ढाका की याद आ गई। यह कहानी भूगोल की किताबों में लिखित कृत्रिम बंटवारे के बरक्स मन में स्थायी रूप से बसी वतन की स्मृति के ज्यादा मुखर होने की बात कहती है।

दुनियाभर में बाईस करोड़ लोग ऐसे हैं जो अपने-अपने जन्म के देशों में नहीं, बल्कि दूसरी धरती पर रहते हैं। वास्तविकता है कि कनाडा और ऑस?ट्रेलिया की आबादी को मिला दिया जाए, और इस मिली-जुली आबादी को दो गुना कर दिया जाए, एक नहीं दो बार, तब भी इंसानों की यह संख्या दुनिया में आवारा बादलों की तरह विचरती आबादी से कम ही रहेगी। भारत में जन्मे साढ़े तीन करोड़ से ज्यादा लोग विदेशों में रहते हैं, यह संख्या किसी भी अन्य देश की तुलना में ज्यादा है। सरदार सोज का एक शेह्नर याद आता है : वतन से दूर मुसाफि र चले तो जाते हैं। वतन को लौट के आने में देर लगती है।

शब्द सामर्थ्य -182

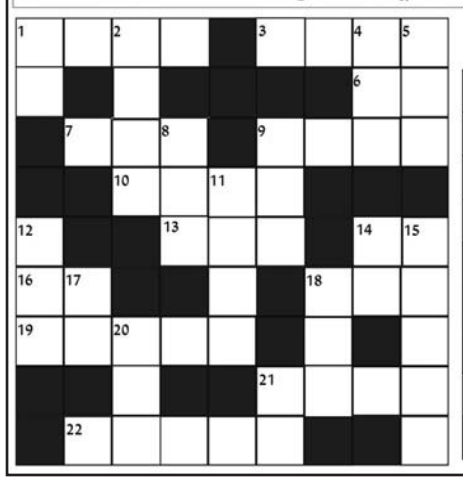
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 181 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द		स	पू	त
ल		ब	ल	वा	न			द
म	ह	क		खा	म	खां		बी
ग्न		त	ल	ना		स	फ	र
	म	रा				ना	टा	
	हि		स				फ	न
	ला	ज	वा	ब		म	ट	र
मां		ग		सं	त	ति		भ
	मा	त	ह	त			प	क्षी

NIDJAM-2026 के लिए प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन

विभिन्न स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने जीते पदक

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। मुंगेली जिला एथलेटिक्स संघ, मुंगेली के तत्वावधान में 04 अक्टूबर 2026, रविवार को हाई स्कूल मैदान, लोरमी में मुंगेली जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2026 एवं NIDJAM-2026 चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों से U-14 एवं U-16 आयु वर्ग के 80 बालक-बालिकाओं ने हिस्सा लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने ट्रायथलॉन, 60 मीटर दौड़, 600 मीटर दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद एवं गोला फेंक सहित विभिन्न एथलेटिक्स स्पर्धाओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य जिले की उभरती खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का NIDJAM-2026 के लिए चयन करना रहा।



अतिथियों ने किया खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अधिवक्ता लक्ष्मी पाठक तथा विशिष्ट अतिथि योगेश पाठक रहे। प्रतियोगिता के सफल संचालन में तकनीकी अधिकारियों ईश्वर सिदार, मनोज कुमार माली, रामनारायण राजपूत, देवेंद्र सिन्हा एवं पुनदास का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इस अवसर पर जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष हेमंत सिंह परिहार, उपाध्यक्ष युगल किशोर राजपूत, सचिव सचिन मसीह एवं कोषाध्यक्ष मुकेश सिंह राठौर, संजय राजपूत, धर्मजीत राजपूत,सहित निखिल राजपूत, भूपेंद्र सिंह राजपूत, अंकिता राजपूत एवं अमिता राजपूत उपस्थित रहे।

इन खिलाड़ियों ने हासिल किए प्रमुख स्थान

U-14 ट्रायथलॉन बालक वर्ग में रिषभ सिंह (सरस्वती शिशु मंदिर, लोरमी) ने प्रथम, प्रियांशु (शासकीय हाई स्कूल, गोड़खाम्ही) ने द्वितीय तथा सक्षम कश्यप (सरस्वती शिशु मंदिर, लोरमी) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

U-14 ट्रायथलॉन बालिका वर्ग में ऋचा निषाद (सरस्वती शिशु मंदिर, लोरमी) प्रथम, राधिका कैवर्त (शासकीय हाई स्कूल, डिंडौरी) द्वितीय तथा तृप्ती दुबे (सरस्वती शिशु मंदिर, लोरमी) तृतीय रहीं।

U-16 बालक 60 मीटर दौड़ में होमेश साहू (महाराणा प्रताप स्कूल, झाफल) प्रथम, दुर्गेश यादव (शासकीय हाई स्कूल, बाँकी) द्वितीय तथा सेमजीत साहू (शासकीय हाई स्कूल, बाँकी) तृतीय रहे। बालिका वर्ग में ममता निर्मलकर (शासकीय हाई स्कूल, बाँकी) प्रथम, पिंकी जायसवाल (सरस्वती शिशु मंदिर, लोरमी) द्वितीय तथा स्वाति मरावी (सरस्वती शिशु मंदिर, लोरमी) तृतीय रहीं।

U-16 बालक 600 मीटर दौड़ में खिलेस्वर प्रथम, देवकुमार निषाद द्वितीय तथा पल्लव मरावी तृतीय रहे। बालिका वर्ग में ममता निर्मलकर प्रथम, मेघा साहू द्वितीय तथा उत्रिका पटेल तृतीय रहीं।

U-16 बालक गोला फेंक में मोहनीश वैष्णव प्रथम तथा खेमचंद सप्रे द्वितीय रहे। बालिका वर्ग में दीप्ती राजपूत प्रथम, उत्रिका पटेल द्वितीय तथा खिलेश्वरी तृतीय रहीं।

U-16 बालक ऊंची कूद में अखिल सिंह राठौर प्रथम, होमेश साहू द्वितीय तथा दुर्गेश यादव तृतीय रहे। बालिका वर्ग में स्वाति मरावी ने प्रथम तथा प्रतीक्षा राजपूत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

U-16 बालक लंबी कूद में मोहनीश वैष्णव प्रथम, मोहित निर्मलकर द्वितीय तथा देवकुमार निषाद तृतीय रहे। बालिका वर्ग में रागिनी साहू प्रथम, सोनाक्षी जायसवाल द्वितीय तथा स्मृति श्रीवास तृतीय रहीं।

राष्ट्रीय स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे चयनित खिलाड़ी

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का NIDJAM-2026 के लिए चयन किया गया। चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में मुंगेली जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

जिला एथलेटिक्स संघ के पदाधिकारियों ने सभी विजेता खिलाड़ियों एवं प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से ग्रामीण एवं स्कूली स्तर की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। संघ ने भविष्य में भी जिले में एथलेटिक्स को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को बेहतर मंच उपलब्ध कराने की बात कही।

सेवा संकल्प अभियान के तहत चपोरा में महतारी सदन का लोकार्पण, सेवा सेतु में सुनीं जनसमस्याएं



कोटा (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री श्री तोखन साहू ने कोटा विधानसभा क्षेत्र के चपोरा में महतारी सदन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रवासियों से संवाद कर स्थानीय आवश्यकताओं और जनहित से जुड़े विषयों की जानकारी ली। इसके उपरांत 'सेवा सेतु' के माध्यम से तोखन साहू ने आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं तथा उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों से आवश्यक कार्रवाई के लिए कहा। विभिन्न विभागों से जुड़ी जनसमस्याओं को मौके पर सुना गया और समाधान की दिशा में पहल की गई। केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिन सेवा और जनकल्याण के संकल्प के साथ मनाया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी-कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

मातृ शक्ति और नौनिहालों के सशक्तिकरण से ही गढ़ेगा सशक्त समाज



लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान' के तहत आज ग्राम पंचायत अमलडिही, बेड़ापारा एवं बोडतरा के आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित "आंगन मिलन" कार्यक्रम में शामिल होने का सुअवसर प्राप्त हुआ। इस दौरान हमारी कर्मठ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, मितानिन बहनों और प्यारे बच्चों से आत्मीय संवाद कर उनका उत्साहवर्धन की । कार्यक्रम में लोरमी जनपद अध्यक्ष श्रीमती वर्षा सिंह, जिला पंचायत सभापति श्रीमती अनिता साहू, जनपद सदस्य श्रीमती सफुरा भार्गव, परियोजना अधिकारी, सुपरवाइजर बहनें एवं समस्त ग्रामवासी गरिमामयी उपस्थिति में साथ रहे। जमीनी स्तर पर जनसेवा और कुपोषण मुक्त समाज के निर्माण के लिए हमारा यह संकल्प निरंतर जारी रहेगा।



कोटवार नियुक्ति को लेकर बोधापारा में विवाद गहराया

25 जुलाई को देवचंद खाण्डेकर के पक्ष में प्रस्ताव, 10 सितंबर को गेंदलाल बर्मन के पक्ष में प्रस्ताव होने की चर्चा; ग्रामीणों ने कलेक्टर जनदर्शन में लगाई न्याय की गुहार

मुंगेली (दैनंदिनी ब्यूरो)। ग्राम बोधापारा में कोटवार पद पर नियुक्ति को लेकर विवाद अब कलेक्टर जनदर्शन तक पहुंच गया है। कोटवार नियुक्ति की प्रक्रिया में कथित अनियमितता और प्रस्तावों को लेकर ग्रामीणों के बीच असंतोष सामने आया है। ग्रामवासियों के एक समूह ने 6 अक्टूबर 2026 को कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन प्रस्तुत कर नव नियुक्त कोटवार देवचंद खाण्डेकर की नियुक्ति पर तत्काल रोक लगाने तथा मामले की जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। जनदर्शन में प्रस्तुत आवेदन का टोकन क्रमांक 19497 बताया गया है।

ग्रामीणों की शिकायत का मुख्य आधार ग्राम पंचायत स्तर पर कोटवार नियुक्ति के लिए तैयार किए गए प्रस्तावों को लेकर है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि देवचंद खाण्डेकर के पक्ष में तैयार किए गए प्रस्ताव की प्रक्रिया पारदर्शी नहीं थी और इसकी जानकारी ग्रामसभा में मौजूद सभी ग्रामीणों तथा संबंधित लोगों को नहीं दी गई। वहीं अब ग्रामीणों की ओर से यह भी दावा किया जा रहा है कि बाद में 10 सितंबर 2026 को गेंदलाल बर्मन के पक्ष में भी प्रस्ताव पारित किया गया। ऐसे में एक ही पद को लेकर अलग-अलग समय पर सामने आए प्रस्तावों ने विवाद को और गंभीर बना दिया है।

25 जुलाई के प्रस्ताव को लेकर उठे सवाल

ग्रामीणों द्वारा कलेक्टर को सौंपे गए आवेदन में 25 जुलाई 2026 को ग्राम पंचायत बोधापारा में हुई ग्रामसभा का उल्लेख किया गया है। शिकायत के अनुसार उस बैठक में ग्रामवासी, पंचगण, सरपंच और सचिव सहित संबंधित लोग मौजूद थे।

ग्रामीणों का कहना है कि ग्रामसभा के दौरान कोटवार पद के लिए प्रस्ताव तैयार करने को लेकर चर्चा हुई थी। शिकायतकर्ताओं के अनुसार उस समय सरपंच द्वारा किसी एक व्यक्ति के पक्ष में व्यक्तिगत प्रस्ताव तैयार करने से इनकार किए जाने की बात कही गई थी।



इसके बाद देवचंद खाण्डेकर के पक्ष में प्रस्ताव तैयार किए जाने की जानकारी सामने आने का ग्रामीणों ने दावा किया है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि यदि 25 जुलाई को देवचंद खाण्डेकर के पक्ष में प्रस्ताव तैयार किया गया था तो उसकी जानकारी ग्रामसभा में मौजूद सभी ग्रामीणों और संबंधित दावेदारों को क्यों नहीं दी गई, यह जांच का विषय है।

10 सितंबर को गेंदलाल बर्मन के पक्ष में प्रस्ताव का दावा

मामले में नया मोड़ तब सामने आया जब ग्रामीणों की ओर से दावा किया गया कि 10 सितंबर 2026 को गेंदलाल बर्मन के पक्ष में भी ग्राम पंचायत स्तर पर प्रस्ताव पारित किया गया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 25 जुलाई 2026 को देवचंद खाण्डेकर के पक्ष में प्रस्ताव तथा 10 सितंबर 2026 को गेंदलाल बर्मन के पक्ष में प्रस्ताव होने की बात सामने आ रही है। हालांकि इन दोनों प्रस्तावों की वास्तविक स्थिति, उनकी प्रमाणित प्रतियां, बैठक की कार्यवाही और प्रस्ताव रजिस्टर में दर्ज विवरण की आधिकारिक पुष्टि संबंधित पंचायत अभिलेखों की जांच के बाद ही हो सकेगी।

यही वजह है कि ग्रामीण अब प्रशासन से ग्राम पंचायत की मूल कार्यवाही रजिस्टर, प्रस्ताव रजिस्टर और संबंधित बैठकों के दस्तावेज मंगाकर जांच कराने की मांग कर रहे हैं।

एक ही पद के लिए दो अलग-अलग प्रस्तावों से बढ़ा विवाद

ग्रामीणों का कहना है कि यदि अलग-अलग तारीखों में अलग-अलग व्यक्तियों के पक्ष में प्रस्ताव पारित हुए हैं, तो कोटवार नियुक्ति की प्रक्रिया को लेकर स्थिति स्पष्ट किया जाना जरूरी है।

ग्रामीण चाहते हैं कि प्रशासन यह जांच करे कि दोनों प्रस्ताव किन परिस्थितियों में पारित हुए, बैठक में कौन-कौन उपस्थित था, प्रस्ताव किसके द्वारा रखा गया और उस पर किस प्रकार सहमति दर्ज की गई।

शिकायतकर्ताओं के अनुसार इसी विवाद के कारण गांव में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। उनका कहना है कि प्रशासनिक स्तर पर दस्तावेजों की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि कौन सा प्रस्ताव नियमानुसार और वैध प्रक्रिया के तहत पारित हुआ।

गेंदलाल बर्मन को नियुक्त करने की मांग

ग्रामीणों ने कलेक्टर से गेंदलाल बर्मन के पक्ष पर नियमानुसार विचार करने की मांग की है। शिकायत में उल्लेख किया गया है कि गेंदलाल बर्मन स्वर्गीय खोरबहरा कोटवार के ज्येष्ठ पुत्र हैं और शिक्षित भी हैं।

ग्रामीणों का दावा है कि कोटवार पद के लिए गेंदलाल बर्मन की पात्रता और वरिष्ठता को ध्यान में रखते हुए उनकी दावेदारी पर नियमानुसार विचार किया जाना चाहिए। इसके साथ ही ग्रामीणों ने कहा है कि सभी संबंधित अभ्यर्थियों की पात्रता और दस्तावेजों का परीक्षण करने के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाना चाहिए।

देवचंद खाण्डेकर की नियुक्ति पर रोक की मांग

शिकायतकर्ताओं ने प्रशासन से मांग की है कि जब तक कोटवार नियुक्ति से संबंधित विवाद और दस्तावेजों की जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक देवचंद खाण्डेकर की नियुक्ति पर तत्काल रोक लगाई जाए।

गरियाबंद में निकली भव्य सेवा ज्योति यात्रा गूंजा सेवा और राष्ट्र निर्माण का संदेश

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी गरियाबंद द्वारा 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 'सेवा ज्योति यात्रा' एवं 'विकसित भारत संकल्प सभा' का भव्य आयोजन किया गया। इनडोर स्टेडियम में आयोजित सभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन उपस्थित जनसमुदाय ने वर्चुअल माध्यम से सुना। इसके पश्चात सेवा, सामाजिक सहभागिता और राष्ट्र निर्माण के संदेश के साथ भव्य सेवा ज्योति यात्रा निकाली गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष एव महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी, राजिम विधायक रोहित साहू, पूर्व कृषि मंत्री चंद्रशेखर साहू, गरियाबंद जिला भाजपा संगठन प्रभारी अमित चिमनानी, पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष नेहरू निषाद, भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय, गोवर्धन मांझी, डमरूधर पुजारी, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप, नगर पालिका अध्यक्षद्वय रिखीराम यादव, महेश यादव, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी, श्वेता शर्मा, जिला महामंत्री आशीष शर्मा मौजूद रहे।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एव भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के लाइव उद्बोधन के उपरांत अतिथियों द्वारा सेवा ज्योति प्रज्ज्वलित कर की गई। इसके बाद इसके बाद सेवा ज्योति रथ, ज्योति एवं मशाल यात्रा के साथ यात्रा इनडोर स्टेडियम से प्रारंभ हुई। शहर के मुख्य मार्ग से गुजरी यात्रा में जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ युवा, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठन और बड़ी संख्या में नागरिकगण



उत्साहपूर्वक शामिल हुए। यात्रा के दौरान देशभक्ति गीतों और नारों से शहर का वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत नजर आया। यात्रा का समापन पुलिस परेड ग्राउंड में हुआ, जहां 'विकसित भारत@2047' की संकल्पना को साकार करने के लिए उपस्थित लोगों ने सामूहिक संकल्प लिया। पुलिस परेड ग्राउंड में सेवा के रंग अंतर्गत विकसित भारत की थीम पर बनाई गई विशाल रंगोली आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। कार्यक्रम में सेवा ज्योति रथ, मशाल और कलश यात्रा ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि महासमुंद सांसद एवं भाजपा राष्ट्रीय महिला मोर्चा अध्यक्ष रूपकुमारी चौधरी ने कहा कि सेवा केवल किसी एक व्यक्ति या संगठन का दायित्व नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सेवा, सुशासन और जनभागीदारी के माध्यम से विकसित भारत की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत@2047' केवल सरकार का संकल्प नहीं, बल्कि देश के 140 करोड़ नागरिकों का सामूहिक संकल्प है। आज का युवा, महिलाएं, किसान, श्रमिक और समाज का प्रत्येक वर्ग राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा रहा है। सेवा ज्योति कलश यात्रा इसी भावना को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है।

श्रीमती चौधरी ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने, जरूरतमंदों की सहायता करने और केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं और नागरिकों से आह्वान किया कि वे सेवा की भावना को अपने जीवन का हिस्सा बनाते हुए 'विकसित भारत' के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

उन्होंने कहा कि जब समाज की शक्ति और सरकार के विकास प्रयास एक साथ आगे बढ़ते हैं, तब राष्ट्र की प्रगति और तेज होती है। गरियाबंद की यह सेवा ज्योति यात्रा इसी सामूहिक सहभागिता, सेवा भावना और राष्ट्र निर्माण के संकल्प का प्रतीक है।

इस मौके पर भाजपा पदाधिकारी, भाजपा मंडल अध्यक्ष गण, जनप्रतिनिधि, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा सहित विभिन्न मोर्चों एवं प्रकोष्ठों के कार्यकर्ता, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम में सेवा, समरसता, सामाजिक सहभागिता और राष्ट्र निर्माण का संदेश प्रमुखता से दिखाई दिया।

विकसित भारत संकल्प सेवा चौक का नामकरण भाजपा महिला मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद रूप कुमारी चौधरी ने किया। इनडोर स्टेडियम के बाहर राष्ट्रीय राज्य मार्ग के किनारे यह चौक अब विकसित भारत संकल्प सेवा चौक के नाम से जाना जाएगा। वकायदा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती चौधरी ने शीघ्र चौक निर्माण कार्य करने के निर्देश नगर पालिका को दिए हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम रायगढ़
जिला-रायगढ़ (छ.ग.)
E-mail :commissioner-rgh.cg@cg.gov.in, corporationraigarh@gmail.com
Phone No:- 07762-222911

क्रमांक 3061/वि.वि./ न.पा.नि./2026 रायगढ़, दिनांक 01.10.26

-: ई-प्रोक्यूरमेंट तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना :-

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए नगर पालिक निगम, रायगढ़ क्षेत्रांतर्गत मुख्य सड़क एवं गली में लगे विद्युत पोल शिफ्टिंग कार्य, जिसकी अनु. लागत राशि 20.00 लाख रु., अमानत राशि 15,000.00 रू. निविदा प्रपत्र शुल्क 750.00 रू. हेतु, लागू SOR दर से कम/अधिक अथवा समान दर पर सक्षम श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदार (डी वर्ग या उससे ऊपर) से निविदा प्रपत्र "अ" में देय होगा। उपरोक्त कार्य की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी System Tender No. 200771 ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल https://eproc.cgstate.govt.in/uad.cg.gov.in/WWW.nagar-nigamraigarh.com से देखी जा सकती है। निविदा प्रपत्र के साथ निर्धारित प्रपत्र शुल्क डी.डी. के माध्यम से एव अन्य दस्तावेज दिनांक 13.10.26 अपरान्ह 04:00 बजे तक स्पीडपोस्ट / पंजीकृत डाक से मुहरबंद पद्धति से आमंत्रित की जाती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम
रायगढ़ (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्रमांक 200775/निविदा सूचना क्रमांक 02/बलेलि/2026-27, **बालोद, दिनांक 06.10.2026**

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक **27.10.2026** समय **17:30** तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :

कार्य का नाम : बालोद जिले के विकासखण्ड डौण्डीलोहारा अंतर्गत भंवरमरा जलाशय के मुख्य नहर आर.डी. ० मी. से 990 मी. एवं लघु नहर आर.डी. 0 मी. से 1350 मी. का पुर्ननिर्माण एवं सी.सी. लाईनिंग, 10 नग इनलेट, 30 नग आऊटलेट, 01 नग हेड रेगुलेटर, 05 नग व्ही. आर.बी., 01 नग 01 मी. फाल, 02 नग 0.9 मी फाल, 02 नग 0.6 मी. फाल मुख्य नहर, 02 नग 0.6 मी. फाल लघु नहर में एवं पूर्व निर्मित संरचनाओं का मरम्मत कार्य।

अनुमानित लागत : रूपये 208.81 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइटhttps://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 13.10.2026 समय 17:31 बजे से देखे तथाडाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोट: निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। इस निविदा में जल संसाधन विभाग द्वारा दिनांक 01.11.2025 से अभी तक जारी समस्त निविदा पूर्व अर्हता प्रमाण पत्र मान्य होगा (प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग के पत्र क्रमांक 425001/TC/2016/सर्क/अस्थायी/7989 रायपुर दिनांक 30.09.2026 के अनुसार)

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, बालोद
कृते, मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग रायपुर, (छ.ग.)

जी- 262703795/1

नमन धीर ने डेब्यू में ही किया बड़ा धमाका, चार ओवर में 31 रन देकर हासिल किए तीन विकेट



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज का आगाज हो गया है। टीम इंडिया ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए पहले ही मैच को अपने नाम कर लिया है। इस बीच भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने धमाकेदार शतक लगाया और आखिर तक नाबाद रहकर अपनी टीम को जीत दिला दी। वैसे तो मैच के हीरो श्रेयस अय्यर ही रहे, लेकिन जो काम नमन धीर ने किया, वो अपने आप में ऐतिहासिक है। वे अपना पहला ही टी20 इंटरनेशनल मैच खेल रहे थे, इसी में छा गए।

वनडे डेब्यू के बाद नमन धीर को मिला टी20 इंटरनेशनल में भी पहला मैच खेलने का मौका

नमन धीर ने अब से कुछ ही दिन पहले भारत के लिए वनडे मुकाबला खेलकर अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था, इसके बाद अब उन्हें टी20 इंटरनेशनल डेब्यू भी मिल गया है। मजे की बात ये है कि जब वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान किया गया था, तब इसमें नमन धीर का नाम नहीं थी, लेकिन सीरीज शुरू होने से पहले अचानक वॉशिंगटन सुंदर बाहर गए और नमन धीर की एंट्री हो गई। इससे भी ज्यादा कमाल की बात ये है कि नमन धीर को पहले ही मैच में डेब्यू भी हो गया।

विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव से आगे निकले श्रेयस अय्यर, अब रोहित शर्मा के रिकॉर्ड पर लगी निगाहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव को हटाकर जब श्रेयस अय्यर को भारत की टी20 टीम का कप्तान बनाया गया था, तब काफी सवाल उठ रहे थे। उसकी वजह भी थी। टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जीतने के बाद अचानक टीम इंडिया की गाड़ी पटरी से उतर गई थी। यहां तक कि उसे आयरलैंड जैसी कमजोर मानी जाने वाली टीम से भी लगातार दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन अब लगता है कि जीत का सिलसिला शुरू हो चुका है। इस बीच श्रेयस अय्यर ने वेस्टइंडीज को पहले टी20 मैच में हराकर पूर्व कप्तान विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव को पीछे कर दिया है। अब रोहित शर्मा ही उनसे आगे हैं, अगर यही सिलसिला जारी रहा तो वे नंबर एक भी पहुंच सकते हैं।

भारत ने पहले टी20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराया, कप्तान श्रेयस ने ठोकी सेंचुरी

भारत बनाम वेस्टइंडीज टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला टीम इंडिया ने जीत लिया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने 19.1 ओवर में अपने सभी विकेट खोकर 171 रनों का एक ठीकठाक स्कोर खड़ा किया था। जवाब में भारत ने केवल 14.4 ओवर में ही



दो विकेट पर 172 रन बनाकर मैच को जीत लिया। कप्तान श्रेयस अय्यर ने केवल 43 बॉल पर 102 रनों की नाबाद पारी खेली। इसमें 10 चौके और छह छक्के शामिल रहे। ये अय्यर का टी20 इंटरनेशनल में पहला शतक है।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया की लगातार दसवीं जीत

कप्तान श्रेयस अय्यर ने बतौर कप्तान दसवां टी20 इंटरनेशनल मैच जीत लिया है। भारतीय कप्तान के तौर पर टी20 इंटरनेशनल में लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले कप्तान रोहित शर्मा हैं। उन्होंने साल 2019 से लेकर 2022 तक बैक टू बैक 14 मैच जीतने में कामयाबी हासिल की थी। इसके बाद रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया ने साल 2024 में भी लगातार 11 मैच जीते थे। अब श्रेयस ने 10 मैच अपने नाम कर लिए हैं, वो भी लगातार जीते गए हैं।

अब श्रेयस के निशाने पर रोहित शर्मा का रिकॉर्ड

विराट कोहली ने साल 2019 से लेकर 2020 तक लगातार 9 टी20 इंटरनेशनल मैच जीते थे। इसके बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी साल 2025 में बैक टू बैक 9 मैच जीतने में सफलता हासिल की थी। अब श्रेयस अय्यर विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव से आगे निकल गए हैं। अगर श्रेयस की कप्तानी में टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की सीरीज में विरोधी टीम का सफाया कर दिया तो वे रोहित से भी आगे निकल जाएंगे। देखना होगा कि टीम इंडिया का जो विजय रथ इस वक्त चल रहा है, वो कब तक जारी रहता है।

प्रेमानंद महाराज के आश्रम जाने पर विराट ने वायरल दावे का किया खंडन, फलाहारी महाराज ने लगाया था 5 करोड़ लेने का आरोप



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली और प्रेमानंद महाराज से जुड़ा एक दावा सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। दावा किया गया था कि वृंदावन स्थित प्रेमानंद महाराज के आश्रम जाने के लिए विराट कोहली को कथित तौर पर 5 करोड़ रुपये दिए गए थे। अब विराट कोहली की ओर से इस दावे का खंडन किया गया है। उनके प्रवक्ता ने आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए इन्हें झूठा, बेबुनियाद और तथ्यात्मक रूप से गलत बताया है। विराट कोहली के प्रवक्ता की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि फलाहारी महाराज दिनेश शर्मा द्वारा विराट कोहली को लेकर किए गए दावे पूरी तरह गलत और तथ्यों से परे हैं। बयान में स्पष्ट किया गया कि विराट कोहली प्रेमानंद महाराज से केवल अपनी गहरी आस्था और सम्मान के कारण मिलने जाते हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि हम साफ तौर पर कहना चाहते हैं कि फलाहारी महाराज दिनेश शर्मा ने विराट कोहली के बारे में जो दावे किए हैं, वे पूरी तरह से झूठे, बेबुनियाद और तथ्यों के लिहाज से गलत हैं। बयान में आगे कहा गया कि विराट कोहली, प्रेमानंद महाराज जी के प्रति अपनी गहरी आस्था और सम्मान के कारण ही उनसे मिलने जाते हैं। हम इन दावों का पुरजोर खंडन करते हैं और मीडिया से आग्रह करते हैं कि वे ऐसी बातों को रिपोर्ट करने या आगे बढ़ाने से पहले पूरी सावधानी बरतें, तथ्यों की जांच करें और जिम्मेदारी से रिपोर्टिंग करें।

दरअसल, सोशल मीडिया पर हाल के दिनों में एक दावा वायरल हुआ, जिसमें कहा गया कि राजस्थान की एक निजी कंपनी ने कथित तौर पर विराट कोहली को प्रेमानंद महाराज के आश्रम तक लाने के लिए 5 करोड़ रुपये खर्च किए थे। यह दावा फलाहारी महाराज के नाम से मशहूर दिनेश शर्मा ने किया था।

लियोनेल मेसी ने फेयरवेल स्पीच में दी बड़ी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने अर्जेंटीना की ओर से ब्यूनस आयर्स में आखिरी मैच खेला। इस मैच के साथ ही मेसी की इंटरनेशनल फुटबॉल से विदाई हो गई। मेसी की विदाई सिर्फ भावुक नहीं रही, बल्कि उनके भाषण ने अर्जेंटीना फुटबॉल को एक तरह से सावधान भी कर दिया। बेनिन के खिलाफ आखिरी इंटरनेशनल मैच के बाद अर्जेंटीना के महान कप्तान ने टीम के साथियों और नई पीढ़ी को एकजुट रहने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अर्जेंटीना को जीतते हुए नहीं देखना चाहते। लियोनेल मेसी ने अर्जेंटीना की जर्सी में अपने आखिरी इंटरनेशनल मुकाबले को यादगार जीत के साथ खत्म किया। बेनिन के खिलाफ 3-0 की जीत में मेसी ने एक गोल किया और दो गोल में अहम भूमिका निभाई। लेकिन मैच खत्म

बोले- कुछ लोग नहीं चाहते कि अर्जेंटीना जीते

होने के बाद जब उन्होंने हाथ में माइक थामा तो पूरा माहौल भावुक हो गया। मेसी ने अपने शानदार इंटरनेशनल करियर को याद किया। उन्होंने फैंस का तहे दिल से शुक्रिया अदा किया और जाते-जाते अर्जेंटीना की अगली पीढ़ी को एक खास संदेश भी दे दिया।

मेसी की स्पीच ने जीत लिया दिल

लियोनेल मेसी ने अपनी फेयरवेल स्पीच में कहा कि उनके पास शुक्रिया अदा करने के लिए शब्द नहीं है। जैसा कि उन्होंने पहले प्रेसिडेंट से कहा था कि आपने उन्हें हार नहीं मानने दी, तब भी नहीं जब हम सबसे बुरे दौर से गुजर रहे थे। और वह कसम खाते हैं कि वह अपनी जिंदगी भर इनके साथ यहां आना चाहेंगे। वह दुनिया का सबसे चहेता खिलाड़ी बनना चाहेंगे, क्योंकि अर्जेंटीना के लिए



खेलना सबसे खूबसूरत चीज है, जो हो सकती है।

उन्होंने कहा कि वह अपनी जिंदगी भर यहां रहना चाहते हैं और उन्हें लगता है कि सब कुछ होने के बाद वह अपनी पूरी जिंदगी यहीं बिताना चाहेंगे। उन्हें लगता है कि अब यह सब खत्म हो गया है। पिछला वर्ल्ड कप बहुत जबरदस्त था। हम अपना और पूरे देश का सपना पूरा करने के बहुत करीब थे। फिर से वर्ल्ड कप जीतने का सपना। हम चैंपियन बनने के बहुत करीब थे। पिछले वर्ल्ड कप में, हम बहुत करीब थे। कुछ भी अजीब नहीं हुआ था।

मेसी का सपना सच हुआ

उन्होंने वर्ल्ड कप 2026 को याद करते हुए कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ मैच हमारे लिए बहुत तनावपूर्ण था। वर्ल्ड कप के बाद कई तरह की बातें और अलग-अलग कहानियाँ सामने आईं। हम इमोशनली और फिजिकली अपनी हद तक पहुंच गए थे। हमने अपनी पूरी ताकत से लड़ाई लड़ी, अपने सभी साथियों के साथ मिलकर। हमने अपनी पूरी ज़िंदगी लड़ाई लड़ी, कभी जीते तो कभी नहीं।

व्यापार

सेंसेक्स-निफ्टी तेज गिरावट के साथ खुले



मुंबई (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की मौद्रिक नीति समिति (MPC) के रेपो रेट पर आने वाले फैसले से ठीक पहले घरेलू शेयर बाजार में घबराहट का माहौल देखने को मिल रहा है। वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों और निवेशकों की सतर्कता के बीच बुधवार को भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत बड़ी गिरावट के साथ हुई।शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स 400 अंकों से ज्यादा टूट गया, जबकि निफ्टी 22,700 के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे खिसककर 22,614 पर आ गया। बाजार पर ऑटो, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हैवीवेट शेयरों में बिकवाली का गहरा असर दिखा।

सेंसेक्स और निफ्टी की शुरुआती चाल

कारोबारी सत्र की शुरुआत में ही बिकवाली का दबाव हावी रहा बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) का सेंसेक्स 449.50 अंक यानी 0.62 प्रतिशत की तेज गिरावट के साथ 72,618.31 के स्तर पर खुला। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) का निफ्टी 161.40 अंक यानी 0.71 प्रतिशत टूटकर 22,614.70 पर कारोबार करता दिखा। बाजार में चौतरफा बिकवाली के कारण एडवांस्ड-डिक्लाइन रेशियो भी नकारात्मक रहा। शुरुआती सत्र में लगभग 971 शेयरों में तेजी दर्ज की गई, जबकि 1,379 शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में दिखे और 181 शेयरों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

फार्मा और टेलीकॉम में खरीदारी, बाकी बाजार पस्त

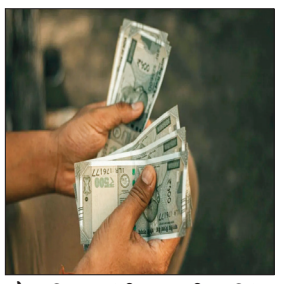
गिरावट के इस माहौल में भी फार्मा और टेलीकॉम सेक्टर के चुनिंदा शेयरों ने बाजार को थामने का प्रयास किया। डॉ. रेड्डीज लैब्स 0.99% की बढ़त के साथ टॉप गेनर रहा। इसके अलावा सिप्ला (+0.63%), भारती एयरटेल (+0.61%), कोल इंडिया (+0.29%) और टेक महिंद्रा (+0.06%) में हल्की खरीदारी दर्ज की गई। दूसरी तरफ कंज्यूमर और ऑटो शेयरों में भारी बिकवाली हुई। टाइटन कंपनी 3.39% की भारी गिरावट के साथ सबसे बड़ा लूजर बना। इसके अलावा एसबीआई लाइफ (-2.06%), एशियन पेंट्स (-1.59%), हिंडाल्को (-1.56%), श्रीराम फाइनेंस (-1.51%), महिंद्रा एंड महिंद्रा (-1.48%), मारुति (-1.40%) और इंडिगो (-1.37%) में भी बड़ी गिरावट दर्ज हुई।

क्यों बढ़ा बाजार में दबाव?

मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक, आरबीआई द्वारा ब्याज दरों पर घोषणा किए जाने से पहले निवेशक जोखिम उठाने से बच रहे हैं। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजारों में जारी सुस्ती और क्रूड ऑयल की कीमतों के रुख ने भी भारतीय शेयर बाजार में अस्थिरता बढ़ाने का काम किया है।

त्रिपुरा के सरकारी कर्मचारियों की सैलरी में होगा इजाफा, 3% महंगाई भत्ता बढ़ाने का ऐलान

त्रिपुरा (एजेंसी)। फेस्टिव सीजन शुरू होने से पहले त्रिपुरा के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए बड़ी खबर आई है। राज्य सरकार ने महंगाई भत्ता (DA) और महंगाई राहत (DR) में 3 फीसदी बढ़ोतरी का ऐलान किया है। इसके साथ ही कर्मचारियों के लिए HRA में भी बदलाव किया गया है। नई दरें 1 अक्टूबर 2026 से लागू होंगी।



त्रिपुरा कैबिनेट ने 6 अक्टूबर को सरकारी कर्मचारियों के लिए DA और पेंशनर्स के लिए DR में 3 फीसदी बढ़ोतरी को मंजूरी दी। इस बढ़ोतरी के बाद राज्य के कर्मचारियों और पेंशनर्स को 44 फीसदी की दर से DA/DR मिलेगा। मुख्यमंत्री माणिक साहा और वित्त मंत्री प्रणजीत सिंहा रॉय ने कैबिनेट बैठक के बाद इसकी जानकारी दी। नई दर 1 अक्टूबर 2026 से प्रभावी होगी। सरकार के इस फैसले से राज्य के खजाने पर हर साल करीब 300 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय चुनौतियों के बावजूद सरकार कर्मचारियों और पेंशनर्स के कल्याण के लिए कदम उठा रही है।

रेपो रेट बढ़ने के बाद होम, कार से लेकर पर्सनल लोन तक का बदल सकता है पूरा हिसाब



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी के बाद देश के करोड़ों लोन ग्राहकों का पूरा बजट डगमगा सकता है। फरवरी 2023 के बाद पहली बार केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट बढ़ाकर इसे 5.50 प्रतिशत कर दिया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति (MPC) के इस फैसले का सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ेगा। अब नए लोन लेने वालों के साथ-साथ पुराने लोन ग्राहकों के लिए भी होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की दरें महंगी होने जा रही हैं। जिन लोगों ने फ्लोटिंग रेट पर होम, कार या पर्सनल लोन ले रखा है, उनकी मासिक किस्त (EMI) या लोन की समय सीमा दोनों में इजाफा देखने को मिल सकता है। अगर बैंक रेपो रेट की पूरी 0.25% बढ़ोतरी का बोझ ग्राहकों पर डालते हैं, तो आपकी हर महीने जाने वाली किस्त की राशि बढ़ जाएगी। वहीं, कई मामलों में बैंक आपकी किस्त की रकम में बदलाव न करके आपके लोन का टेन्योर को बढ़ा देते हैं, जिसका मतलब है कि आपको ज्यादा महीनों तक किस्तें भरनी होंगी। हालांकि, जिन ग्राहकों ने फिक्स्ड रेट पर लोन लिया हुआ है, उन पर इस फैसले का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। जब भी आरबीआई रेपो रेट बढ़ाता है, तो कई बैंक (विशेषकर प्राइवेट बैंक) ग्राहकों की मासिक किस्त की राशि बढ़ाने के बजाय उनके लोन का टेन्योर (भुगतान की अवधि) चुपचाप बढ़ा देते हैं। कई बार ग्राहकों को इसका पता तब चलता है जब वे अपना लोन स्टेटमेंट चेक करते हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर आरबीआई का भरोसा बढ़ा, GDP ग्रोथ का अनुमान 40 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर किया 7.1%

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार को लेकर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) का भरोसा और मजबूत हुआ है। वैश्विक स्तर पर जारी तनाव, महंगी कमोडिटी और व्यापारिक चुनौतियों के बावजूद आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष की GDP ग्रोथ का अनुमान 40 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर 7.1% कर दिया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को अक्टूबर की बाय-मंथली मौद्रिक नीति का ऐलान करते हुए कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच भी घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूती दिखा रही है।

आरबीआई के मुताबिक वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक GDP ग्रोथ 7.8% रही। इस दौरान घरेलू खपत और निवेश में मजबूती देखने को मिली। इसके अलावा नेट एक्सपोर्ट यानी निर्यात और आयात के अंतर का भी आर्थिक विकास में सकारात्मक योगदान रहा। आरबीआई का मानना है कि घरेलू आर्थिक गतिविधियों की यह मजबूती आगे भी ग्रोथ को सहारा दे सकती है।



चारों तिमाहियों के लिए क्या अनुमान?

आरबीआई ने वित्त वर्ष 2026-27 की GDP ग्रोथ का अनुमान 7.1% किया है। केंद्रीय बैंक ने अलग-अलग तिमाहियों के लिए भी अनुमान जारी

आरबीआई ने कहा कि आर्थिक विकास को लेकर जोखिम फिलहाल संतुलित हैं। ग्रोथ अनुमान में 40 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी यह बताती है कि केंद्रीय बैंक को मौजूदा आर्थिक गतिविधियों पर पहले की तुलना में ज्यादा भरोसा है।

ग्लोबल तनाव से खतरा बरकरार

हालांकि आरबीआई ने अर्थव्यवस्था के लिए कुछ बड़े जोखिमों को लेकर चेतावनी भी दी है। लंबे समय से जारी भूराजनीतिक तनाव, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊंची कमोडिटी कीमतें, वैश्विक व्यापार में बढ़ती रुकावटें और सख्त वित्तीय परिस्थितियां भारत की ग्रोथ पर दबाव डाल सकती हैं। आरबीआई के अनुसार इन वैश्विक चुनौतियों का असर आने वाले समय में आर्थिक गतिविधियों पर पड़ सकता है। खासकर कच्चे तेल और दूसरी कमोडिटी की कीमतों में ज्यादा बढ़ोतरी भारत के लिए चुनौती बन सकती है।

वर्ल्ड बैंक ने भी बढ़ाया अनुमान

भारत की आर्थिक ग्रोथ को लेकर सिर्फ आरबीआई ही नहीं, बल्कि वर्ल्ड बैंक का भरोसा भी बढ़ा है। वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की GDP ग्रोथ का अनुमान बढ़ाकर 7.1% कर दिया है। अप्रैल के अनुमान के मुकाबले इसमें 0.5 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी हुई है। मजबूत घरेलू मांग और बेहतर निर्यात को इसकी प्रमुख वजह बताया गया है।

फिलहाल नवी मुंबई शिफ्ट नहीं होंगी मुंबई की इंटरनेशनल फ्लाइट्स

मुंबई (एजेंसी)। नागर विमानन मंत्रालय ने मंगलवार को अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड से कहा कि वे फिलहाल मुंबई से नवी मुंबई एयरपोर्ट पर कुछ इंटरनेशनल फ्लाइट्स को शिफ्ट करने के फैसले को टाल दें। इसके साथ ही, सरकार ने कहा है कि इस बदलाव की पूरी योजना तैयार करने के लिए आगे चर्चा की जाएगी। अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ-साथ नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का भी संचालन करती है। अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने एयरलाइन कंपनियों से 25 अक्टूबर तक मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए अपनी इंटरनेशनल फ्लाइट्स में 33 प्रतिशत की कटौती करने या उन्हें बंद करने को कहा था, जिसका एयरलाइन कंपनियों ने विरोध किया है। AAHL मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 का नवीनीकरण करने जा रही है, जिसकी वजह से कंपनी ने फ्लाइट्स ऑपरेशन को मुंबई से नवी मुंबई शिफ्ट करने का प्रस्ताव दिया है।

'चेन्दरू' राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार के लिए बढ़ाई गई आवेदन करने की अंतिम तिथि

15 अक्टूबर तक कर सकेंगे आवेदन

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में पर्यटन की संभावनाओं को विस्तार देने और सतत ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा 'चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार-2026' के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। पुरस्कार के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। चयनित व्यक्ति अथवा संस्था को एक लाख रुपये की नकद पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा।

राज्य में ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं समर्पित योगदान को पहचान और सम्मान देने के उद्देश्य से यह पुरस्कार प्रारंभ किया गया है। इसके माध्यम से ग्रामीण पर्यटन को स्थानीय रोजगार एवं आजीविका से जोड़ने के साथ होमस्टे, स्थानीय संस्कृति एवं परंपराओं, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और समुदाय आधारित पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

राज्योत्सव एवं राज्य स्थापना दिवस अलंकरण समारोह में मिलेगा सम्मान

'चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार' प्रतिवर्ष राज्योत्सव एवं राज्य स्थापना दिवस अलंकरण समारोह में प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में दीर्घकालीन एवं समर्पित योगदान को मान्यता देने के उद्देश्य से दिया जाएगा। यह सम्मान किसी व्यक्ति अथवा संस्था को जीवनकाल में केवल एक बार प्रदान किया जाएगा।

छह प्रमुख थीम में किया जाएगा कार्यों का मूल्यांकन

पुरस्कार के लिए प्राप्त प्रविष्टियों में ग्रामीण पर्यटन से जुड़े कार्यों का मूल्यांकन छह प्रमुख थीम के अंतर्गत किया जाएगा। इनमें एथनिक टूरिज्म, ईको टूरिज्म,



धार्मिक पर्यटन, हेरिटेज टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म तथा मेडिकल एंड वेलनेस टूरिज्म शामिल हैं।

मूल्यांकन के दौरान ग्रामीण पर्यटन गतिविधियों के विकास, होमस्टे को बढ़ावा देने, स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आजीविका के अवसर सृजित करने, पर्यटकों को उपलब्ध कराए जा रहे विशिष्ट अनुभवों, पर्यटन स्थलों एवं धरोहरों के संरक्षण तथा स्थानीय समुदाय की भागीदारी जैसे पहलुओं को विशेष महत्व दिया जाएगा। संबंधित क्षेत्र में पर्यटकों की संख्या में आए बदलाव के साथ आवेदक द्वारा अतीत और वर्तमान में किए गए कार्यों एवं उनके प्रभाव का भी आकलन किया जाएगा।

व्यक्ति और संस्था दोनों कर सकते हैं आवेदन

छत्तीसगढ़ में ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में कार्यरत पात्र व्यक्ति अथवा संस्था पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया में ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में दीर्घकालीन सेवा, उल्लेखनीय उपलब्धियों और समर्पित प्रयासों को महत्व दिया जाएगा।

आवेदन के साथ देना होगा कार्यों और उपलब्धियों का विवरण

आवेदकों को निर्धारित प्रारूप में पूर्ण परिचय, पता एवं फोटोग्राफ के साथ छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवास का प्रमाण-पत्र और आधार कार्ड की सत्यापित छायाप्रति प्रस्तुत करनी होगी। इसके साथ ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में किए गए कार्यों का विस्तृत विवरण, प्राप्त अन्य सम्मानों की जानकारी तथा उपलब्ध होने पर प्रकाशित सामग्री और समाचार पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित समाचारों की सत्यापित प्रतियां भी संलग्न की जा सकती हैं। आवेदक को पुरस्कार स्वीकार करने की लिखित सहमति भी देनी होगी।

छह सदस्यीय जूरी करेगी प्रविष्टियों का परीक्षण

पुरस्कार के लिए प्राप्त प्रविष्टियों का परीक्षण निर्धारित जूरी द्वारा किया जाएगा। जूरी की कार्यवाही गोपनीय रहेगी और चयन के संबंध में अपील मान्य नहीं होगी। शासकीय सेवकों के आवेदन के मामले में सामान्य प्रशासन विभाग की पूर्व अनुमति आवश्यक होगी।

15 अक्टूबर तक पंजीकृत डाक से भेजना होगा आवेदन

पुरस्कार के लिए निर्धारित प्रारूप में पूर्ण आवेदन पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड, द्वितीय तल, उद्योग भवन, रिंग रोड नंबर-1, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 के पते पर भेजना होगा। आवेदन 15 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित पते पर पहुंचना अनिवार्य है। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त प्रविष्टियां स्वीकार नहीं की जाएंगी।

पुरस्कार एवं आवेदन प्रक्रिया के संबंध में अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 73545-80006 अथवा ई-मेल scmpctb@gmail.com पर संपर्क किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे व्यक्तियों एवं संस्थाओं से निर्धारित समय-सीमा में अपनी प्रविष्टियां प्रस्तुत करने का आह्वान किया है। 'चेन्दरू' पुरस्कार के माध्यम से ऐसे प्रयासों को राज्य स्तर पर पहचान मिलेगी, जो गांवों की संस्कृति, प्रकृति और परंपराओं को सहेजते हुए पर्यटन को स्थानीय रोजगार, आजीविका और सतत विकास से जोड़ रहे हैं।

कवर्धा-बेमेतरा मार्ग पर पशुओं को देख उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अधिकारियों को लगाई फटकार



रायपुर ■ दैनन्दिनी

कवर्धा-बेमेतरा मार्ग पर सड़क के बीच पशुओं को बैठे देखकर उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने गंभीर नाराजगी जताई। कवर्धा जाते समय सड़क पर पशुओं को देखकर उन्होंने बेमेतरा टोल प्लाजा के पास मंगलवार को देर रात अपना वाहन रुकवाया और तत्काल विभागीय अधिकारियों से मोबाइल पर बात कर हाइवे पेट्रोलिंग व्यवस्था की जानकारी ली।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने अधिकारियों से सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुरूप पेट्रोलिंग वाहन द्वारा किए जा रहे नियमित निरीक्षण के संबंध में पूछा। अधिकारियों ने बताया कि हाइवे पेट्रोलिंग वाहन द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इस पर श्री शर्मा ने पेट्रोलिंग वाहन को मौके पर बुलवाया और अब तक किए गए पशु रेस्क्यू ऑपरेशन के साथ ही प्रतिदिन किए जा रहे निरीक्षण एवं अन्य कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कवर्धा से बेमेतरा तक पड़ने वाले ग्रामों के स्थानीय लोगों के माध्यम से पेट्रोलिंग वाहन की गतिविधियों की नियमित जानकारी ली जाए।

सड़क पर पशुओं की मौजूदगी को लेकर उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने विभागीय अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि हाइवे पर नियमित पेट्रोलिंग सुनिश्चित की जाए और सड़क पर बैठे अथवा विचरण कर रहे पशुओं को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की कार्रवाई तत्परता से की जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

श्री शर्मा ने कहा कि सड़क पर पशुओं के रहने से न केवल गौवंश की जान को खतरा रहता है, बल्कि वाहन चालकों और यात्रियों के लिए भी गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

विशेषकर रात्रि के समय दृश्यता कम होने के कारण दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। इसलिए पेट्रोलिंग दल लगातार मार्ग का निरीक्षण करे और पशुओं के दिखाई देते ही उन्हें सुरक्षित तरीके से सड़क से हटाया जाए।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा और गौवंश की रक्षा के कार्य में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पेट्रोलिंग व्यवस्था को प्रभावी बनाने और इसकी नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

सेवा सेतु बना उम्मीद का सेतु बच्चों की पढ़ाई को मिलेगा संबल

रायपुर ■ दैनन्दिनी

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गांव-गांव में आयोजित किए जा रहे सेवा सेतु शिविर आम नागरिकों तक शासकीय योजनाओं की जानकारी और उनका लाभ पहुंचाने का माध्यम बन रहे हैं। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले मरवाही विकासखंड के ग्राम पंचायत कटरा में आयोजित सेवा सेतु शिविर ग्राम पंचायत उषाढ़ निवासी विरेन्द्र सिंह के लिए भी मददगार साबित हुआ। शिविर में उन्हें श्रम विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना की जानकारी मिली। योजना के तहत पात्रता के अनुसार बच्चों की शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता मिलने की



जानकारी ने उनके परिवार में नई उम्मीद जगाई।

विरेन्द्र सिंह शिविर में अपनी समस्याओं और शासकीय योजनाओं की जानकारी लेने पहुंचे थे। इसी दौरान श्रम विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने उन्हें पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा में सहयोग के लिए संचालित मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के बारे में बताया। योजना की पात्रता, मिलने वाली सहायता और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी मिलने पर उन्होंने अपने बच्चों के लिए योजना का लाभ लेने का निर्णय लिया और आवश्यक प्रक्रिया के तहत आवेदन किया।

एक ही स्थान पर मिली जानकारी और आवेदन की सुविधा

सेवा सेतु शिविर की खासियत यह रही कि विरेन्द्र सिंह को योजना की जानकारी प्राप्त करने और आवेदन की प्रक्रिया समझने के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े। शिविर में संबंधित विभाग की मौजूदगी से उन्हें एक ही स्थान पर योजना से जुड़ी आवश्यक जानकारी और आवेदन संबंधी मार्गदर्शन मिला। इससे शासन की योजना तक उनकी पहुंच आसान हुई।

विरेन्द्र सिंह ने बताया कि आर्थिक कठिनाइयों के बीच बच्चों की पढ़ाई से जुड़ी जरूरतों को पूरा करना परिवार के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। ऐसे में मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना से मिलने वाली सहायता बच्चों की पढ़ाई-लिखाई को निरंतर जारी रखने में महत्वपूर्ण सहारा बनेगी। उन्होंने कहा कि गांव के नजदीक शिविर आयोजित होने से उन्हें ऐसी योजना के बारे में जानकारी मिली, जिसका लाभ उनके बच्चों की शिक्षा में उपयोगी साबित हो सकता है।

बस्तर बाढ़ आपदा में पीड़ितों को 9.39 करोड़ रुपए से अधिक की राहत राशि का त्वरित भुगतान, पुनर्वास कार्य युद्धस्तर पर जारी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

बस्तर अंचल में चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव से हुई मूसलाधार बारिश और ओडिशा के खातीगुड़ा व मुरान बांधों से छोड़े गए पानी के चलते उत्पन्न भीषण बाढ़ की स्थिति के बीच जिला प्रशासन ने राहत एवं पुनर्वास कार्यों को शीर्ष प्राथमिकता पर रखा है। आपदा से प्रभावित परिवारों को तत्काल आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से अब तक कुल 9 करोड़ 39 लाख 29 हजार 898 रुपए की राहत राशि सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है। जिला प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार इस वित्तीय सहायता में सबसे बड़ा हिस्सा मकानों की क्षतिपूर्ति के रूप में दिया गया है, जिसके तहत कुल 8 करोड़ 78 लाख 15 हजार 398 रुपए वितरित किए गए हैं। इसमें पूरी तरह से क्षतिग्रस्त मकानों के लिए 8 करोड़ 2 लाख 23 हजार 391 रुपए तथा आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों के लिए 75 लाख 92 हजार 7 रुपए की सहायता शामिल है। इसके अतिरिक्त घरों में रखे बर्तन व अन्य घरेलू सामग्रियों के नुकसान के एवज में प्रभावितों को 52 लाख 45 हजार रुपये, जनहानि के मामलों में आश्रितों को 8 लाख रुपये का मुआवजा और पशुहानि के मामलों में 69 हजार 500 रुपये की राहत राशि का त्वरित भुगतान किया गया है।

राज्य शासन के संवेदनशील निर्देशों के तहत राजस्व अधिकारियों और मैदानी कर्मचारियों ने दिन-रात सक्रिय होकर प्रकरणों का तेजी से निराकरण सुनिश्चित किया, जिससे इतनी बड़ी धनराशि का त्वरित वितरण संभव हो सका। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने समीक्षा बैठक में निर्देश दिए हैं कि पूर्ण एवं आंशिक मकान क्षति के जितने भी शेष मामले लंबित हैं, उन्हें भी बिना किसी विलंब के प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए, ताकि कोई भी प्रभावित परिवार शासन की मदद से वंचित न रहे। वित्तीय सहायता के साथ-साथ जमीनी स्तर पर पुनर्वास और स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रयास भी तेज गति से संचालित किए जा रहे हैं। जिन परिवारों के आशियाने पूरी तरह नष्ट हो चुके हैं, उनके तात्कालिक आश्रय हेतु प्रशासन द्वारा बांस, बल्ली और तिरपाल जैसी आवश्यक सामग्रियां त्वरित रूप से पहुंचाई जा रही हैं। वहीं जलभराव के बाद संक्रामक और जलजनित बीमारियों के खतरे को नियंत्रित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मिलकर सभी पेयजल स्रोतों का अनिवार्य क्लोरीनेशन कर रहे हैं और गांवों में लगातार ब्लीचिंग पाउडर का सघन छिड़काव किया जा रहा है। बस्तर संभाग के कमिश्नर श्री डोमन सिंह और कलेक्टर श्री आकाश छिकारा स्वयं लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों व राहत शिविरों का निरीक्षण कर पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं, और प्रशासन का संकल्प है कि अंतिम पीड़ित व्यक्ति तक सहायता पहुंचने तक यह राहत अभियान निरंतर जारी रहेगा।

अंतर महाविद्यालयीन वॉलीबॉल पुरुष प्रतियोगिता में विप्र महाविद्यालय रायपुर बना विजेता



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। शासकीय वीर सुरेंद्र साय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गरियाबंद में उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में अंतर महाविद्यालयीन वॉलीबॉल पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सेक्टर के अंतर्गत आने वाली 19 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता के प्रथम मैच से लेकर अंतिम मुकाबले तक खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और मैदान पर रोमांच बना रहा। सेमीफाइनल के पहले मुकाबले में छत्तीसगढ़ महाविद्यालय और कुरुद महाविद्यालय आमने-सामने रहे। रोमांचक मुकाबले में कुरुद महाविद्यालय ने जीत हासिल कर फाइनल में जगह बनाई। दुसरा सेमीफाइनल विप्र महाविद्यालय रायपुर एवं शासकीय वीर सुरेंद्र साय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गरियाबंद के बीच मुकाबला हुआ जिसमें विप्र महाविद्यालय ने जीत हासिल की प्रतियोगिता का

फाइनल मुकाबला विप्र महाविद्यालय रायपुर एवं कुरुद महाविद्यालय के बीच खेला गया। दोनों टीमों के बीच कड़ा और रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए विप्र महाविद्यालय रायपुर ने विजेता बनने का गौरव हासिल किया।

प्रतियोगिता में व्यक्तिगत उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बेस्ट प्लेयर का खिताब गरियाबंद महाविद्यालय के कृष्णा ठाकुर, बेस्ट स्मैशर का खिताब कुरुद महाविद्यालय के आभास तथा बेस्ट सेटर का अवॉर्ड विप्र महाविद्यालय के युवराज को प्रदान किया गया।

पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय क्रीड़ा विभाग के डॉ. चंद्रकांत अगासे रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शासकीय वीर सुरेंद्र साय महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.आर. के. तलवरे ने की। रायपुर से पर्यवेक्षक के रूप में डॉ. करमिश संबरकर विशेष रूप से उपस्थित थे, आज हुए मुकाबले के आधार पर रायपुर सेक्टर की टीम का चयन किया गया जो राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगी

प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में वॉलीबॉल निर्णायक के रूप में दुर्गा पटनायक, संजीव साहू, सूरज महाड़िक, नंदकुमार रात्रे, राजू साहू, पुरण साहू, खोमेश्वर साहू ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन गिरीश शर्मा ने एवं आभार प्रदर्शन प्रभारी प्राचार्य प्रो. आर. के . तलवरे ने किया

इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के क्रीड़ा अधिकारियों रूपेंद्र चौहान , रामानन्द यदु, प्रकाश चंद्रवंशी, देवाशीष हाजरा, आदर्श मिश्रा, मुकेश सिन्हा, ज्ञानेंद्र भाई, तुलाराम, सी .एल . तारक , डा. संजय सर , डा. सत्यम कुंभकार , प्रदीप निर्मलकर, गौतम ठाकुर एवं कोमल वर्मा की उपस्थिति रही।

नोनी सशक्तिकरण योजना ने अंकिता के सपनों को दिए पंख शिक्षा के लिए मिली 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता

रायपुर ■ दैनन्दिनी

आर्थिक परिस्थितियां कमजोर हों, लेकिन आगे बढ़ने का हौसला और शासन की योजनाओं का सहारा मिले तो शिक्षा के सपनों को नई उड़ान मिल सकती है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के नगर पालिका परिषद गौरेला के वार्ड क्रमांक 15 की निवासी कुमारी अंकिता रोहणी की कहानी भी इसी संकल्प और उम्मीद को बयां करती है। निर्माण श्रमिक परिवार की बेटी अंकिता अपनी पढ़ाई पूरी कर आत्मनिर्भर बनने का सपना देख रही हैं। उनके इस सपने को मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना से मिली 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता ने मजबूती दी है। अंकिता के पिता श्री रवि रोहणी निर्माण श्रमिक हैं और श्रम विभाग में पंजीकृत हैं। सीमित आर्थिक संसाधनों के बीच परिवार के लिए घर की जरूरतों के साथ बेटी की शिक्षा का खर्च उठाना आसान नहीं था। इसके बावजूद परिवार ने अंकिता की पढ़ाई में आर्थिक परिस्थितियों को बाधा नहीं बनने दिया और अपनी क्षमता के अनुसार उनकी शिक्षा जारी रखा।

इसी बीच श्रमिक परिवारों की बेटियों के सशक्तिकरण के लिए संचालित नोनी



सशक्तिकरण योजना की जानकारी मिलने पर अंकिता को योजना से जोड़ा गया। पात्रता और आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें योजना के तहत 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। यह राशि अंकिता और उनके परिवार के लिए बड़ी राहत लेकर आई।

शिक्षा की जरूरतों पर खर्च कर रही हैं सहायता राशि

अंकिता इस सहायता राशि का उपयोग अपनी शिक्षा से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने में कर रही हैं। पढ़ाई से संबंधित खर्चों के लिए आर्थिक सहयोग मिलने से परिवार पर पड़ने वाला वित्तीय बोझ कम हुआ है। वहीं अंकिता भी अब अधिक आत्मविश्वास और एकाग्रता के साथ अपनी पढ़ाई को आगे बढ़ा रही हैं। अंकिता बताती हैं कि शासन से मिली सहायता उनके लिए केवल आर्थिक सहयोग नहीं है, बल्कि अपने भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर भी है। उनका सपना शिक्षा प्राप्त कर अपने पैरों पर खड़े होने और आत्मनिर्भर बनकर परिवार तथा समाज का नाम रोशन करने का है।

श्रमिक परिवारों की बेटियों को मिल रहा आर्थिक संबल

नोनी सशक्तिकरण योजना श्रमिक परिवारों की बेटियों को आर्थिक संबल प्रदान कर उनके बेहतर भविष्य की राह आसान कर रही है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को सहायता मिलने से उनकी शिक्षा सहित भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने में परिवारों को सहयोग मिल रहा है। योजना के माध्यम से बेटियों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में भी सार्थक प्रयास हो रहे हैं। अंकिता की कहानी बताती है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सही समय पर जरूरतमंद परिवार तक पहुंचने से न केवल आर्थिक कठिनाइयां कम होती हैं, बल्कि युवाओं के सपनों और आत्मविश्वास को भी नई मजबूती मिलती है।

योजना के तहत मिली सहायता से उत्साहित अंकिता ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि शासन की इस मदद से उनकी शिक्षा के सपने को मजबूती मिली है।

पंकज शर्मा पत्रकारिता की एक पूरी पीढ़ी के प्रेरणास्रोत : विजय शर्मा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

रायपुर ने पत्रकारिता के क्षेत्र में देश और प्रदेश को कई मूर्धन्य पत्रकार दिए हैं, इन्हीं में से एक नाम वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय पंकज शर्मा का है। उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से पंकज गार्डन, खो-खो पारा में उनकी प्रतिमा का अनावरण उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा द्वारा किया गया। समारोह में सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक श्री सुनील सोनी, विधायक श्री मोतीलाल साहू, विधायक श्री अनुज शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार श्री हिमांशु द्विवेदी, रायपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री मोहन तिवारी तथा अखंड ब्राह्मण समाज से श्री ज्ञानेश शर्मा सहित पत्रकारिता, सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह के दौरान स्वर्गीय पंकज शर्मा के जीवन और उनकी पत्रकारिता यात्रा पर आधारित करीब एक घंटे की विशेष डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन भी किया गया। डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से उनके पत्रकारिता जीवन, देश-विदेश में किए गए कार्यों, उनकी लेखन शैली, संवाद क्षमता और पत्रकारिता के प्रति समर्पण को स्मरण किया गया। डॉक्यूमेंट्री ने उपस्थित लोगों को पंकज शर्मा के व्यक्तित्व और कृतित्व से भावनात्मक रूप से जोड़ा। उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि



स्व. पंकज शर्मा ने पत्रकारिता को केवल पेशे के रूप में नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और मिशन के रूप में जिया। उन्होंने सीमित जीवनकाल में अपनी प्रतिभा और लेखनी से ऐसी पहचान बनाई, जो आज भी पत्रकारिता जगत के लिए प्रेरणा है। शर्मा ने कहा कि पंकज शर्मा की स्मृति को स्थायी रूप देना केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं, बल्कि रायपुर की पत्रकारिता की समृद्ध परंपरा का सम्मान है। इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा ने स्वर्गीय पंकज शर्मा की स्मृति को और व्यापक स्वरूप देने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे। उन्होंने पंकज उद्यान का नाम विस्तारित कर "पत्रकार पंकज शर्मा उद्यान" करने, खो-खो पारा स्थित स्कूल का नाम "पत्रकार पंकज शर्मा" के नाम पर करने, तथा युवा पत्रकार राज्य अलंकरण की शुरुआत स्वर्गीय पंकज शर्मा के नाम से किए जाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने पत्रकारिता विश्वविद्यालय की किसी प्रमुख बिल्डिंग का नाम भी "पंकज शर्मा" के नाम पर किए जाने का सुझाव दिया। मंच पर मौजूद सभी अतिथियों ने इन प्रस्तावों का समर्थन किया और पंकज शर्मा की स्मृति को संस्थागत रूप से संरक्षित करने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय पंकज शर्मा ने अपने अल्प जीवनकाल में पत्रकारिता के क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया। उन्होंने हिंदी पत्रकारिता को नई दिशा दी और देश-विदेश में अपनी प्रतिभा से भारतीय पत्रकारिता का गौरव बढ़ाया। उनकी स्मृति में आयोजित यह समारोह केवल प्रतिमा अनावरण तक सीमित नहीं है, बल्कि पत्रकारिता के मूल्यों, परंपरा और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा को आगे बढ़ाने का संकल्प भी है। कार्यक्रम का आयोजन रायपुर प्रेस क्लब, अखंड ब्राह्मण समाज छत्तीसगढ़ एवं विप्र सांस्कृतिक भवन प्रबंधन समिति के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

पंकज शर्मा ने रायपुर की पत्रकारिता को राष्ट्रीय पहचान दी : बृजमोहन अग्रवाल

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि पंकज शर्मा रायपुर की उस पत्रकारिता परंपरा के प्रतिनिधि थे, जिसने अपनी प्रतिभा और लेखनी के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। उन्होंने कहा कि पंकज शर्मा ने पत्रकारिता में जिस ऊंचाई को हासिल किया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी है। उनकी स्मृति में प्रतिमा का अनावरण आने वाली पीढ़ी को उनके योगदान से परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। विधायक सुनील सोनी और विधायक मोतीलाल साहू ने भी स्वर्गीय पंकज शर्मा को याद करते हुए पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान को रेखांकित किया। वरिष्ठ पत्रकार हिमांशु द्विवेदी ने पंकज शर्मा की पत्रकारिता शैली, उनके लेखन और उस दौर की पत्रकारिता में उनके प्रभाव पर विस्तार से प्रकाश डाला।



यूसीसी पर महिलाओं ने रखी बेबाक राय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ महिला मंच और महाराष्ट्र मंडल महिला समिति की पदाधिकारियों व सदस्यों ने समान नागरिक संहिता समिति के समक्ष विवाह, विवाह-विच्छेद, भरण-पोषण, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे संवेदनशील व व्यावहारिक विषयों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में यूसीसी समिति के सदस्य सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्री एम.के. राऊत और वरिष्ठ अधिवक्ता श्री मोहन पवार ने महिलाओं द्वारा दिए गए सभी व्यावहारिक और कानूनी सुझावों को गंभीरता से सुनते हुए उन्हें उन पर विचार करने का पूर्ण आश्वासन दिया। शताब्दी पाण्डेय ने धर्म आधारित कानूनों में बदलाव की वकालत करते हुए पैतृक व व्यक्तिगत संपत्ति में महिला और पुरुष को समान अधिकार देने, भरण-पोषण के नियम एक समान बनाने और आपसी सहमति से तलाक की प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग की। छत्तीसगढ़ एक जनजातीय बहुल प्रदेश होने के कारण संबंधित समुदायों की परंपराओं, नीतियों, रीति-रिवाजों और संस्कृति को ध्यान में रखते हुए व्यापक विचार-विमर्श पर सहमति बनी। साथ ही, पंचायतों में कानूनी सलाह के लिए विशेष डेस्क बनाने की मांग रखी । सुश्री श्वेता पड्डा ने महिलाओं के शोषण पर प्रभावी रोकथाम के लिए लिव-इन रिलेशनशिप के पंजीयन को अनिवार्य बनाने की मांग की। साथ ही, लिव-इन से जन्मे बच्चों को पालन-पोषण और उत्तराधिकार का पूरा अधिकार मिलने तथा जैविक पहचान सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। अधिवक्ता श्रीमती सुचित्रा वर्धन ने स्पष्ट किया कि केवल आपसी सहमति (एग्रीमेंट) के आधार पर महिला-पुरुष का साथ रहना भारतीय कानून में मान्य नहीं है, इसलिए इस पर स्पष्टता जरूरी है।

लिव-इन के पंजीयन, पैतृक संपत्ति में बराबरी और भरण-पोषण पर एक समान कानून की मांग

अधिवक्ता श्रीमती हेमलता सिंह ने यूसीसी का मुख्य उद्देश्य कानूनी भेदभाव को समाप्त कर व्यवस्था को सरल बनाना बताया। गीता श्याम दलाल ने एक राष्ट्र, एक कानून का समर्थन करते हुए कहा कि अपराधी को धर्म के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए, जबकि सभी को अपनी परंपराओं को मानने की स्वतंत्रता हो। श्रीमती आस्था अभय काले ने कहा कि यह व्यवस्था समाज के अंतिम छोर पर खड़ी कमजोर महिलाओं तक पहुँचनी चाहिए, जिसके लिए महिलाओं का जागरूक होना सबसे पहले आवश्यक है। बैठक में आकांक्षा तिवारी, डॉ. (श्रीमती) भारती यादव, डॉ. (श्रीमती) रत्ना पाण्डेय, श्रीमती पुरोहित और प्रसन्ना राजेश अवस्थी, श्रीमती अर्चना वोरा, श्रीमती शेफाली पुरोहित, श्रीमती शीला शर्मा, श्रीमती नमिता शेष, श्रीमती मालती मिश्रा ने बच्चों के हितों की रक्षा से जुड़े सुझाव दिए, आदिवासी समाज की सहभागिता व विवाह परंपराओं पर अपने विचार समिति के समक्ष रखे।

गौधाम योजना: 40 नए गौधाम स्थापना की मंजूरी

रायपुर।पशुधन विकास विभाग ने गौवंश के संरक्षण, संवर्धन और बेहतर देखभाल के लिए गौधाम योजना के अंतर्गत प्रदेश में 40 और नए गौधाम की स्थापना के लिए मंजूरी प्रदान की है। राज्य सरकार की इस पहल से गौवंश के संरक्षण, संवर्धन और बेहतर देखभाल के साथ-साथ आवश्यक अधोसंरचना विकसित करने की दिशा में सहायक होगी।पशुधन विकास विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार सरगुजा जिले के श्री विश्वनाथ गोविंद ग्राम पंचायत अंबिकापुर सहित बिलासपुर, सारंगढ़-बिलाईगढ़, रायपुर.

बिना रेरा पंजीयन प्लॉट बेचने पर महागणपति डेव्हलपर्स पर 8 लाख रुपये का जुर्माना

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (CGRERA) ने बिना रेरा पंजीयन प्लॉट का विक्रय किए जाने के मामले में महागणपति डेव्हलपर्स, रायपुर के विरुद्ध महत्वपूर्ण कार्रवाई की है। प्राधिकरण ने विकासकर्ता पर 8 लाख रुपये का अर्थदंड अधिरोपित करने के साथ ही संबंधित परियोजना को RERA के अंतर्गत पंजीकृत कराने के निर्देश दिए हैं। प्रकरण में यह तथ्य सामने आया कि महागणपति डेव्हलपर्स द्वारा एक प्लॉटेड ले-आउट परियोजना विकसित कर उसके अंतर्गत भूखंडों का विक्रय किया जा रहा था। परियोजना का RERA में पंजीयन नहीं कराया गया था। भू-संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 की धारा 3 के प्रावधानों के अनुसार पंजीयन योग्य भू-संपदा परियोजना का प्राधिकरण में पंजीयन कराए बिना किसी भूखंड अथवा इकाई का विज्ञापन, विपणन, बुकिंग या विक्रय हेतु प्रस्ताव नहीं किया जा सकता।

स्वप्रेरणा से संज्ञान लेकर प्राधिकरण ने दर्ज किया प्रकरण–परियोजना में बिना RERA पंजीयन भूखंडों का विक्रय किए जाने का तथ्य सामने आने पर CGRERA ने मामले का स्वप्रेरणा (Suo Motu) संज्ञान लिया और महागणपति डेव्हलपर्स के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया। प्रकरण की सुनवाई तथा उपलब्ध दस्तावेजों एवं अभिलेखों के परीक्षण के बाद प्राधिकरण ने इसे अधिनियम की धारा 3 के प्रावधानों का उल्लंघन पाया। इसके फलस्वरूप प्राधिकरण ने महागणपति डेव्हलपर्स पर 8 लाख रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया है। साथ ही संबंधित परियोजना को RERA अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि परियोजना का विकास एवं विक्रय वैधानिक प्रावधानों के अनुरूप हो और आबंटितियों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बिना पंजीयन प्लॉट या इकाइयों के विक्रय पर होगी वैधानिक कार्रवाई–CGRERA ने स्पष्ट किया है कि RERA के अंतर्गत पंजीयन योग्य भू-संपदा परियोजनाओं में प्राधिकरण से पंजीयन प्राप्त किए बिना भूखंडों अथवा इकाइयों का विज्ञापन, विपणन, बुकिंग या विक्रय किया जाना अधिनियम का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में प्राधिकरण द्वारा स्वप्रेरणा से संज्ञान लेकर दोषी प्रमोटरों के विरुद्ध अर्थदंड सहित अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप अन्य वैधानिक कार्रवाई भी की जा सकती है।

आवारा सांड का आतंक, 15 लोगों पर किया हमला

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजधानी रायपुर के डीडी नगर इलाके में एक आवारा सांड के आतंक से लोगों में दहशत फैल गई है। सांड ने अलग-अलग जगहों पर करीब 15 लोगों पर हमला किया है। हमले में पूर्व महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कल्पना पटेल समेत कई लोग घायल हुए हैं। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। सांड के हमले का एक सीसीटीवी वीडियो सामने आया है, जिसमें वह बच्चे को गोद में लिए एक बुजुर्ग पर अचानक हमला करता नजर आ रहा है। सांड के हमले में बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं और उनका अस्पताल में इलाज जारी है। वहीं पूर्व महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कल्पना पटेल को भी चोटें आई हैं। उन्हें उपचार के लिए बालाजी अस्पताल में भर्ती कराया



गया है। लगातार हमलों की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सांड को पकड़ने के लिए अभियान चलाया। टीम ने ट्रैंक्विलाइजर डार्ट का इस्तेमाल कर सांड को बेहोश किया, जिसके बाद उसे सुरक्षित तरीके से काबू में लिया गया। घटना के बाद गौ सेवकों ने सांड के रेबीज से संक्रमित होने की आशंका जताई है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने जताई चिंता–घटना को लेकर पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने भी चिंता जताई है। उन्होंने राजधानी में आवारा पशुओं की समस्या को लेकर सरकार और नगर प्रशासन पर सवाल उठाए। विकास उपाध्याय ने इस मुद्दे को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि शहर में आवारा पशुओं की समस्या का स्थायी समाधान किया जाना जरूरी है। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से आवारा पशुओं के खिलाफ प्रभावी अभियान चलाने और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की मांग की है।

बहतराई की खेल भूमि ने देश को दिए कई प्रतिभावान खिलाड़ी : अरुण साव

रायपुर ■ दैनन्दिनी

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने आज बिलासपुर के स्वर्गीय बी.आर. यादव राज्य प्रशिक्षण केन्द्र बहतराई में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदेश के पांचों संभागों से आए खिलाड़ियों के मार्च पास्ट की सलामी ली और गुब्बारे छोड़कर प्रतियोगिता का आगाज किया। राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में बस्तर, बिलासपुर, रायपुर, सरगुजा और दुर्ग संभाग के 571 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। 10 अक्टूबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में 14 वर्ष, 17 वर्ष एवं 19 वर्ष आयु वर्ग की तीरंदाजी, 19 वर्ष आयु वर्ग की हॉकी और 19 वर्ष बालक वर्ग की कबड्डी के मुकाबले बहतराई के एस्ट्रोटर्फ, इंडोर





स्टेडियम और तीरंदाजी मैदान में खेले जाएंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने शुभारंभ कार्यक्रम में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बहतराई की खेल भूमि ने देश और प्रदेश को कई प्रतिभावान खिलाड़ी दिए हैं। इसी मैदान पर खेलकर संजू देवी ने एशियन गेम्स कबड्डी में स्वर्ण पदक जीता। मधु सिदार और गीता यादव ने अंडर-19 महिला हॉकी में देश को गौरवान्वित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संदेश 'जो खेलेगा वही खिलेगा' को दोहराते हुए खिलाड़ियों से पूरी खेल भावना और आत्मविश्वास के साथ श्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने कहा कि खेल के मैदान में कोई हारता नहीं है, खिलाड़ी या तो जीतता है या सीखता है। खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए बेहतर संसाधन और सुविधाएं जरूरी हैं। उन्होंने बहतराई खेल परिसर को मध्य भारत के उत्कृष्ट खेल संस्थानों में विकसित करने के लिए इसके उन्नयन पर जोर दिया। बिलासपुर के कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, नगर निगम के आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे, जिला पंचायत के सीईओ श्री संदीप अग्रवाल, श्री दीपक सिंह, श्री मोहित जायसवाल और जिला शिक्षा अधिकारी श्री संदीप पाण्डेय सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, खिलाड़ी एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित थे।

बेटियों की प्रस्तुति ने मोहा मन

पीएमश्री कन्या विद्यालय सरकंडा की छात्राओं ने शुभारंभ कार्यक्रम में भारत माता की वंदना सहित रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। तपती धूप में छात्राओं की शानदार प्रस्तुति की अतिथियों ने सराहना की। विधायक श्री शुक्ला ने उनके उत्साहवर्धन के लिए 11 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

ओला EV की खराब सर्विस के खिलाफ आक्रोश : छत्तीसगढ़ में बिक्री पर बैन की मांग

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में ओला इलेक्ट्रिक वाहनों की सर्विस, रजिस्ट्रेशन और सब्सिडी को लेकर उपभोक्ताओं की लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों के उपभोक्ताओं का आरोप है कि वाहनों की आरसी नहीं मिलने से चालान कट रहे हैं, जबकि करीब एक साल से सब्सिडी का भुगतान भी अटका हुआ है। इसी मुद्दे को लेकर सत्यमेव जयते फाउंडेशन के प्रदेश संयोजक कन्हैया अग्रवाल के नेतृत्व में उपभोक्ताओं ने ओला शोरूम पहुंचकर विरोध जताया। कन्हैया अग्रवाल ने कहा कि जब तक उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान नहीं होता, तब तक छत्तीसगढ़ में ओला इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री पर रोक लगाई जानी चाहिए। उनका कहना है कि देश के दूसरे राज्यों में भी कंपनी की सर्विस और ग्राहकों से जुड़ी शिकायतों को लेकर कार्रवाई हुई है, इसलिए छत्तीसगढ़ में भी प्रशासन और परिवहन विभाग को मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए।

उपभोक्ताओं की शिकायतों में सबसे बड़ी समस्या रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी) और सब्सिडी से जुड़ी बताई गई है। उनका



कहना है कि वाहन खरीदने के बाद आरसी जारी नहीं होने के कारण सड़क पर चलने के दौरान चालान की परेशानी सामने आ रही है। वहीं, शोरूम स्तर पर सब्सिडी नहीं मिलने के लिए आरसी जमा नहीं होने को वजह बताया जा रहा है। दूसरी ओर, संगठन के मुताबिक जिला परिवहन अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि सब्सिडी की प्रक्रिया में आरसी जमा करना अनिवार्य नहीं है। इसी वजह से उपभोक्ताओं में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। फाउंडेशन का दावा है कि कई उपभोक्ताओं की सब्सिडी एक साल से ज्यादा समय से लंबित है। उनका कहना है कि वाहन खरीदने के बाद ग्राहकों को सर्विस से लेकर दस्तावेज और सब्सिडी तक कई स्तर पर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कन्हैया अग्रवाल ने दावा किया कि ओला इलेक्ट्रिक की सेवाओं को लेकर दूसरे राज्यों में भी उपभोक्ताओं ने शिकायतें की हैं। उनके मुताबिक, केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की जांच के दौरान उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन, भ्रामक विज्ञापनों और सर्विस में देरी से जुड़े मुद्दे सामने आए थे। संगठन का कहना है कि कंपनी को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है। उन्होंने राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (NCH) पर ओला के खिलाफ 10 हजार से ज्यादा शिकायतें दर्ज होने का भी दावा किया। फाउंडेशन के मुताबिक महाराष्ट्र में मुंबई, पुणे समेत कई शहरों में ओला के सर्विस सेंटरों पर वारंटी और रिपेयरिंग में देरी को लेकर ग्राहकों ने शिकायतें की हैं। संगठन का दावा है कि राज्य में उपभोक्ता आयोग के स्तर पर भी कंपनी से जुड़े कई मामले लंबित हैं और इस वजह से नोटिस जारी किए गए हैं। संगठन ने कर्नाटक का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां डिलीवरी में देरी, आरसी जारी नहीं करने और बिना लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन के वाहन सौंपे जाने से जुड़े मामलों में कंपनी के खिलाफ कार्रवाई हुई है। फाउंडेशन के मुताबिक कुछ मामलों में जुर्माने और उपभोक्ताओं को क्षतिपूर्ति देने के आदेश भी दिए गए हैं।

बढ़ती महंगाई से देश का आम आदमी परेशान : कांग्रेस

रायपुर ■ दैनन्दिनी

बढ़ती महंगाई पर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने गहरी चिंता व्यक्त किया है। देश का थोक महंगाई सूचकांक आजादी के बाद सबसे ऊंचे पायदान 10 (9.78) तक पहुंच गया है। रोजमर्रा की जरूरतो के समानो की बेतहाशा बढ़ी महंगाई तथा खाद्य तेल, शक्कर प्याज के बढ़े दाम आम आदमी को परेशान कर रहे है। राशन सामाग्री के दाम दुगुने हो गये है, पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस तथा बढ़े बिजली बिल से जनता के घर का बजट बिगड़ गया है। जो समान जनवरी 2015 में 1000 का था वह सितंबर 2026 में 1729 रू. का हो गया है। 100 दिन में महंगाई कम करने का वादा कर अच्छे दिन लाने वाले मोदी के शासनकाल में जनता बद्तर दिन में जीवन काटने को मजबूर है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि त्योहार के मौसम में खाद्य सामाग्रीयो की बढ़ती कीमतों ने त्योहार का मजा फीका कर दिया है। आम आदमी त्योहार कैसे मनाये।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com